

सज़ा-ए-मौत

मुस्कान-साहिल को फाँसी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मेरठ में चर्चित नीले ड्रम हत्याकांड में अदालत ने दोषी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। जिला जज अरविंद कुमार ने दोनों को मुस्कान के पति सौरभ राजपूत की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई। इस फैसले के बाद एक बार फिर देश में मृत्युदंड और फांसी की सजा से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर चर्चा शुरू हो गई है। ऐसे में यह जानना महत्वपूर्ण है कि भारत में आखिरी बार किन दोषियों को फांसी दी गई थी और क्या मुस्कान तथा साहिल को तुरंत फांसी दी जा सकती है।

मेरठ के इस चर्चित हत्याकांड में करीब डेढ़ साल बाद अदालत ने सजा का ऐलान किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से 22 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए। इनमें उन लोगों की गवाही भी शामिल थी, जिनसे कथित तौर पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और शव को छिपाने के लिए इस्तेमाल किया गया नीला ड्रम खरीदा गया था। मामले से जुड़े अन्य साक्ष्यों और गवाहियों के आधार पर अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया।

भारत में आखिरी बार कब दी गई थी फांसी?

भारत में आखिरी बार 20 मार्च 2020 को चार दोषियों को फांसी दी गई थी। यह मामला 16 दिसंबर 2012 को दिल्ली में चलती बस में 23 वर्षीय पैरामेडिकल छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसकी हत्या से जुड़ा था। इस मामले को निर्भया

कांड के नाम से जाना जाता है।

इस मामले में दोषी ठहराए गए मुकेश सिंह, पवन गुप्ता, विनय शर्मा और अक्षय कुमार सिंह को दिल्ली की तिहाड़ जेल में 20 मार्च 2020 को सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर फांसी दी गई थी। इसके बाद से भारत में किसी अन्य दोषी को फांसी दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।

मुस्कान और साहिल को मृत्युदंड की सजा सुनाए जाने का अर्थ यह नहीं है कि उन्हें तुरंत फांसी दे दी जाएगी। भारतीय कानून के तहत सत्र अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा की संबंधित हाई कोर्ट से पुष्टि होना आवश्यक है। इसके बाद दोषियों को सुप्रीम कोर्ट में अपील करने तथा कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी विकल्पों का इस्तेमाल करने का अवसर मिल सकता है।

दोषी कानूनी प्रक्रिया के अनुसार पुनर्विचार याचिका और उपचारात्मक याचिका जैसे विकल्पों का भी सहारा ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, पात्र

परिस्थितियों में दया याचिका दायर करने का विकल्प भी उपलब्ध होता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने और आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद ही मृत्युदंड पर अमल किया जा सकता है।

इसलिए फिलहाल यह कहना उचित नहीं होगा कि मुस्कान और साहिल को फांसी देने की तारीख तय हो गई है। आगे की प्रक्रिया संबंधित अदालतों के आदेशों और कानून के तहत उपलब्ध

उपायों पर निर्भर करेगी।

क्या था मेरठ का चर्चित नीला ड्रम हत्याकांड?
पुलिस के अनुसार, मुस्कान रस्तोगी ने अपने प्रेमी साहिल के साथ मिलकर अपने पति सौरभ राजपूत की हत्या की थी। हत्या के बाद शव के टुकड़े कर उन्हें एक नीले ड्रम में भर दिया गया था। घटना का खुलासा होने के बाद पूरे देश में सनसनी फैल गई थी और यह मामला व्यापक चर्चा का विषय बन गया था। सौरभ राजपूत हत्याकांड में जुलाई 2025 में मुकदमे की सुनवाई शुरू हुई थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 22 से अधिक गवाहों के बयान दर्ज कराए। करीब 13 महीने तक चली अदालती प्रक्रिया में 126 तारीखों पर सुनवाई हुई। इसके बाद 30 सितंबर को अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी ठहराया और अब सजा सुनाई गई। पुलिस ने 19 मार्च 2025 को मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

►8पर



मृत्युदंड का प्रावधान क्या है?

पक्ष के अनुसार, हत्या के बाद सौरभ के शव के टुकड़े कर उन्हें सीमेंट और रेत से भरे नीले ड्रम में छिपा दिया गया था। इस मामले में 30 सितंबर को दोनों को दोषी करार दिया गया था और 14 अक्टूबर को सजा सुनाई गई।

इस फैसले के बाद मृत्युदंड से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर भी चर्चा हो रही है। भारतीय कानून में मौत की सजा सबसे कठोर दंड है। हालांकि, अदालत द्वारा मृत्युदंड सुनाए जाने का अर्थ यह नहीं है कि दोषी को तुरंत फांसी दे दी जाएगी। इसके लिए कानून में निर्धारित न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक है।

भारत की न्याय व्यवस्था में अपराध सिद्ध होने तक आरोपी को निर्दोष मानने का सिद्धांत लागू होता है। अदालत अभियोजन और बचाव पक्ष के साक्ष्यों, गवाहियों तथा लागू कानून के आधार पर फैसला सुनाती है। ►8पर

SIR पर सुप्रीम सुनवाई आज

चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के 11 अन्य विपक्षी नेताओं की



ओर से चुनाव आयोग के खिलाफ दायर याचिका पर 15 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने की संभावना है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर इस याचिका की संभावित सुनवाई की तारीख में बदलाव किया गया है। आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, 12 अक्टूबर को दायर और 13 अक्टूबर को पंजीकृत इस याचिका (रिट याचिका (सिविल) संख्या 1351/2026) के लिए 15 अक्टूबर की संभावित सुनवाई तिथि दर्शाई गई है।

याचिका में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया, मतदाता सूची से नाम हटाए जाने तथा निर्वाचन आयोग के भीतर निर्णय लेने के तौर-तरीकों को चुनौती दी गई है।

इस याचिका पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, संजय राउत, ममता बनर्जी की पार्टी के सांसद सौमन राय, सुप्रिया सुले, डी. राजा, एम.ए. बेबी और अन्य विपक्षी नेताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। याचिका में भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी को पक्षकार बनाया गया है।

याचिका में विपक्ष की सबसे प्रमुख मांग देशभर में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर तत्काल अंतरिम रोक लगाने की है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि जब तक सुप्रीम कोर्ट इस पूरे मामले की सुनवाई पूरी नहीं कर लेता, तब तक किसी भी वैध मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाना चाहिए। इसके अलावा, विपक्षी नेताओं ने 24 जून 2025 से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया से संबंधित सभी दस्तावेज, बैठकों के कार्यवृत्त, आंतरिक टिप्पणियां तथा ईसीआईनेट और ईआरओनेट प्रणालियों के अभिलेख अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने की मांग की है। ►8पर

श्रृंगेरी चुनाव विवाद मतगणना रिकॉर्डिंग गायब सुप्रीम कोर्ट झल्लाया

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग को वर्ष 2023 में कर्नाटक के श्रृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में मतगणना की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं मिल पाने पर कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने स्पष्ट कहा कि वह इस मामले में बेकार बहाने स्वीकार नहीं करेगी। न्यायालय ने सवाल किया कि चुनाव आयोग यह कैसे कह सकता है कि उसके द्वारा कराए गए चुनाव से संबंधित रिकॉर्ड ही खो गए हैं।

न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ ने उस समय कड़ी नाराजगी जताई, जब चुनाव आयोग की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि मूल मतगणना की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं मिल सकी है। पीठ ने आयोग को निर्देश दिया कि अगली सुनवाई के दौरान उसके पास उपलब्ध सभी संबंधित रिकॉर्ड अदालत के समक्ष पेश किए जाएं। साथ ही चेतावनी दी कि यदि दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, तो अदालत इस मामले में सख्त रुख अपना सकती है।



सुनवाई के दौरान पीठ ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आयोग यह कैसे कह सकता है कि उससे चुनाव संबंधी रिकॉर्ड खो गए हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव कराना आयोग का मुख्य काम है और उसके पास संबंधित दस्तावेज सुरक्षित होने चाहिए। आयोग द्वारा रिकॉर्ड तलाशने की बात कहे जाने पर पीठ ने नार-जंगी जताई और स्पष्ट किया कि इस तरह के बहाने स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

टी.डी. राजेगौड़ा की याचिका पर सुनवाई
सुप्रीम कोर्ट कांग्रेस नेता टी.डी. राजेगौड़ा की याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

राजेगौड़ा ने वर्ष 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में श्रृंगेरी सीट के संशोधित परिणाम को चुनौती दी है। उन्होंने मूल रूप से यह सीट जीती थी। बाद में भाजपा उम्मीदवार डी.एन. जीवराज ने कर्नाटक हाई कोर्ट में चुनाव परिणाम को चुनौती दी।

हाई कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद डाक मतपत्रों की दोबारा गिनती कराने का निर्देश दिया था। इसमें 279 खारिज किए गए डाक मतपत्रों का दोबारा सत्यापन भी शामिल था। दोबारा गिनती के बाद निर्वाचन अधिकारी ने संशोधित परिणाम घोषित किया, जिसमें जीवराज को विजेता बताया गया। इसके बाद राजेगौड़ा ने संशोधित परिणाम को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया।

राजेगौड़ा ने चुनाव पर्यवेक्षक की रिपोर्ट के साथ वर्ष 2023 में हुई मूल मतगणना और बाद में कराई गई दोबारा मतगणना, दोनों की वीडियो रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराने की मांग की है।

►8पर

संघ मार्च विजयी शांतिपूर्ण जुलूस का रास्ता साफ

चेन्नई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

तमिलनाडु की थलपति विजय सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को रूट मार्च की अनुमति नहीं दिए जाने के मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने बुधवार को राज्य सरकार से सवाल किए। अदालत ने सरकार से कहा कि वह शांतिपूर्ण जुलूस और जनसभा के आयोजन की व्यवस्था करने के लिए आयोजकों के साथ मिलकर काम करे। कार्यक्रम की अनुमति मांगने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति वी. लक्ष्मीनारायण ने जुलूसों के लिए आवेदन बार-बार खारिज किए जाने पर मौखिक रूप से नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों के कारण संगठनों को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ता है, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी बढ़ती है।

न्यायमूर्ति ने गौर किया कि राज्य सरकार ने अलग-अलग विचारधाराओं वाले संगठनों को भी कार्यक्रमों की अनुमति देने से इनकार किया है। इनमें द्रविड़ कड़गम और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) शामिल हैं। उन्होंने सवाल किया कि जब जम्मू-कश्मीर



में भी आरएसएस के मार्च की अनुमति दी जाती है, तो तमिलनाडु में इस पर रोक क्यों लगाई जाती है।

अपनी मौखिक टिप्पणियों में न्यायमूर्ति ने कहा कि विरोध-प्रदर्शनों और जुलूसों की मांगों से निपटने के दौरान राज्य सरकार नागरिकों को दुश्मन की तरह देखती है। उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि सत्ता में चाहे किसी भी दल की सरकार हो, आरएसएस को अनुमति देने से इनकार का सामना करना पड़ता है। यह याचिका आरएसएस के सदस्य वी.जी. जगदीसन ने दायर की थी। उन्होंने

पुलिस को निर्देश देने की मांग की थी कि 18 अक्टूबर, 25 अक्टूबर, 1 नवंबर या किसी अन्य उपयुक्त तारीख पर रूट मार्च आयोजित करने के उनके आवेदन पर विचार किया जाए। प्रस्तावित कार्यक्रम में स्वयंसेवकों द्वारा निर्धारित गणवेश में मार्च निकालना, संगीत बैंड को शामिल करना और इसके बाद जनसभा आयोजित करना प्रस्तावित था। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन.एल. राजा ने कहा कि संगठन को हर साल इसी तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, ►8पर

कार्टून कॉर्नर

कोई इनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं करता..!

इन में 10 रुपए के चावल की बिरयानी 100 की, और वो भी अव्यक्त

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 22°

लहरा दो तिरंगा! 16 को सेंट्रल पार्क बुलाया दिपके ने

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने वीडियो जारी कर 16 अक्टूबर को दिल्ली के कर्नाट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क में तिरंगा लहराने का ऐलान किया है। उन्होंने देशभर के लोगों से इस कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। दिपके ने कहा कि जो लोग दिल्ली नहीं पहुंच सकते, वे अपने-अपने शहरों में तिरंगा मार्च निकालें। अभिजीत दिपके ने वीडियो में कहा, जैसा कि आप लोगों को पता है कि सौरभ और आशु को सिर्फ तिरंगा लहराने के लिए जेल में डाला गया है। मैं सभी देशभक्तों और तिरंगे से प्यार करने वाले लोगों से अपील करता हूं कि 16 अक्टूबर को शाम 5 बजे



कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा लेकर पहुंचें। वहां हम अपना तिरंगा लहराएंगे और बताएंगे कि तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। दिल्ली से बाहर रहने वाले लोगों से भी उन्होंने अपने-अपने शहरों में शाम के समय तिरंगा मार्च निकालने की अपील की। उन्होंने कहा, जो लोग दिल्ली नहीं आ सकते, वे

अपने शहरों में शाम को तिरंगा मार्च निकालें और इनको बता दें कि हमारा तिरंगा हमारा गर्व है और इसे लहराना कोई अपराध नहीं है। दिपके ने आगे कहा, हो सकता है कि इसके बाद मुझे भी जेल में डाल दिया जाए, लेकिन मुझे इसकी चिंता नहीं है। मेरा तिरंगा मेरा गर्व है और मैं इसे लहराकर ही रहूंगा।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर को सौरव दास, आशुतोष रांका, अजिंक्य शिंदे समेत पार्टी के कुल 14 सदस्य जंतर-मंतर पहुंचे थे। पुलिस का कहना है कि जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित सूची से हटाए जाने के बाद ये लोग एक निजी परिसर से होकर वहां पहुंचे थे। ►8पर

दो पत्नियां, दोनों अवैध! अब बच्चे होंगे उत्तराधिकारी

बिलासपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राजनांदागांव के दिवंगत सरकारी कर्मचारी सुखीदास कुरें की संपत्ति और बकाया सेवा लाभों से जुड़े



मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उनकी दोनों पत्नियों में से किसी को भी कानूनी रूप से वैध पत्नी नहीं माना जा सकता। हालांकि, दोनों महिलाओं से जन्मे तीनों बच्चों को उनकी अचल संपत्ति में बराबर-बराबर हिस्सा मिलेगा।

अदालत ने यह भी कहा कि वेतन, पेंशन, सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ), उपादान और अन्य सेवा लाभों के रूप में बकाया करीब 17 लाख रुपये प्राप्त करने के लिए सक्षम न्यायालय से उत्तराधिकार प्रमाणपत्र लेना होगा। यह फैसला

2015 को हुआ था। उनकी पहली पत्नी शोभा साहू से एक बेटा अविनाश है, जबकि दूसरी पत्नी अशोक लता कुरें से दो बेटियां लक्ष्मी और बेबी उर्फ दीपिका हैं। मामले के अनुसार, शोभा ने 10 जुलाई 2000 को हुए सहमतनामे में सुखीदास से अलग होने की बात स्वीकार की थी। बाद में उन्होंने अरुण साहू से विवाह कर लिया था। हाई कोर्ट ने पाया कि शोभा साहू के सेवा अभिलेखों में अरुण साहू का नाम पति के रूप में दर्ज था। सेवा पुस्तिका में उनकी तस्वीर भी थी और उन्हें सेवा लाभों के लिए ►8पर



आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दंगा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हो। दूसरों को खुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार है। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप ख़ाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में अमर्दित रहेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और प्रगति निश्चिंत है। लम्बे समय से अटके मुआवजे और कर्ज़ आदि आखिरकार आपको मिल जाएंगे। दूसरों को खुशियाँ देकर और पुरानी ग़लतियों को भुलाकर आप जीवन को सार्थक बनाएंगे। आपके अंदर नेतृत्व का गुण और लोगों की जरूरतों को समझने की संवेदनशीलता है। अगर आप खुद को अभिव्यक्त करने पर जोर देंगे, तो सफलता आपके कदम चूमेगी। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। किसी बुद्ध के स्वास्थ्य को लेकर हुई परेशानी आपके वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकती है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,छ,झ,के,को,ह

कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरूरत है। आपकी ज्ञान की व्यास आपको नए क्षेत्र बनाने में मददगार साबित होंगे। किसी से आँखें चार होनी की कड़ी संयचना है। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। ख़ाली समय का पूरा अंशान उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने परसदीया काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डालें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,जी,खू,डे,डो

आज घर में किसी फ़ैज़रन के होने की वजह से आज आपको बहुत धन खर्च करना पड़ेगा जिसके कारण आपकी आर्थिक स्थिति ख़राब हो सकती है। वहाँ के साथ समय बिताना ख़ास होगा। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाई और जितना हो सके, इसे उनका धमनी बनने की कोशिश करें। आईटी से जुड़े लोगों को अपना ज़ोहद दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको कामवादी पत्रों के लिए केवल काम पर एकछत्र होकर जी-तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। ख़ाली समय का पूरा अंश उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने परसदीया काम करने चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,दू,टे

अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से किसी आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए खुशी के बमड़े लाएगी। काम में आपकी दृढ़ता की आज परीक्षा होगी। इच्छित परिणाम देने के लिए आपको अपनी कोशिशों पर एकछत्र बनाए रखने की ज़रूरत है। घर से बाहर फ़िरकन आज आप ख़ुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ट,पे,पो

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-संर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे दिन सक्रिय रहना है, नहीं तो शरीर की याक़त आपके मन में निराशावांछिता को जन्म दे सकती है। निश्चित तौर पर वित्तीय स्थिति में सुधार आएगा- लेकिन साथ ही खर्चों में भी इज़ाफ़ा होगा। अपने घर के वातावरण में कुछ बदलाव करने से पहले आपको की ग़लत जानने की कोशिश करनी चाहिए। वरिष्ठ सहकर्मी और रिश्तेदार मदद का हाथ बढ़ाएंगे। चीज़ें आपकी इच्छा के मुताबिक नहीं चलेंगी, लेकिन अपने हृदय के साथ आज अच्छा समय गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतरीन कमाने के लिए इन्वेस्ट किया था उसका फ़ायदा आज आपको फ़ायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विश्व महत्व होगा। किसीकी दख़लअंदाज़ी के चलते आपके और आपके प्रिय के रिश्ते में दूरियाँ आ सकती हैं। इस राशि के कारोबारी आज किसी कड़ीबी की ग़लत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जाँच करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में मोह-ममझक चरने की ज़रूरत है। ज़रूरी कामों को समय न देना और फ़िज़ूल के कामों पर वक़्त नया करना आज आपके लिए शायद सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रहनुमाजी से फ़ायदा हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आगम के पल बिताए जा सकते हैं। आज अच्छा महसूस करेंगे। आज आपको सहकर्मी आपके काम की तरफ़ी करंट और आपका बाँस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफ़ा कमा सकते हैं। आज के दिन आपके कुछ रिश्ते आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं अपने जीवनसाथी के साथ आज आप एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

धनु – ये,यो,म,मी,भू,घा,फा,बा,मे

आज आपको अपना धन खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि घर का कोई बड़ा आज आपको धन दे सकता है। जिससे आप प्यार करते हैं, उनसे आज सारी ग़लतफ़हमी दूर हो सकती है। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिज़ता होगी। अपने काम और प्रा-धमिकताओं पर ध्यान एकत्र करें। मुम्किन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई ख़तरा आज आपके संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। आपको या आपके जीवनसाथी को बिस्तर में चोट लग सकती है। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें।

मकर – मो,ज,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-खासा मुनाफ़ा देंगे। बच्चे कोई दिल खुश करने वाली ख़बर ला सकते हैं। बीते दिनों की मोटी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। दिक्कतों का तेज़ी से मुक़ाबला करने की आपकी क्षमता आपको ख़ास पहचान दिलाएगी। आप एक बेहतरीन जीवनसाथी होने की खुशकिस्मती को ज़िन्दे से महसूस कर पाएंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। काम-काज में ज़रूरत से ज्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को देखभाल न करें। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी कार्यक्षेत्र में किसी विशेष व्यक्ति से आपकी मिलक़त हो सकती है जीवनसाथी से निकटता आज आपको खुशी देगी। शेष मंदिर में श्रोकल अर्पित करें मानसिक शांति का महसूस होगा कार्य सिद्धि भी होगी।

मीन – दी,दू,थ,अ,अ,दे,दो,चा,ची

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। विद्यालय का काम पूरा करने के लिए वक़्त आपके मदद ले सकते हैं। आज का दिन रोमांच से भरपूर होने की पूरी संभावना है। वह उन उन्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तरफ़ी करंट और आपका बाँस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफ़ा कमा सकते हैं। इस राशि के छात्र छात्राओं को आज के दिन पढ़ाई में मन लगाने में दिक्कत आ सकती है। आज आप अपना कीमती समय दोस्तों के चक्कर में बर्बाद कर सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 15 अक्टूबर 2026 , गुरुवार

विक्रम संवत् : 2083

मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष

तिथि : पंचमी रात्रि 03:26 तक

नक्षत्र : ज्येष्ठा अहोरात्र

योग : सौभाग्य रात्रि 09:14 तक

करण : बब दोषहर 02:27 तक

चन्द्रराशि : वृश्चिक

सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:06 (बंगलौर)

सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 05:53 (तिरुपति)

सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 05:46 (चित्रवगड़ा)

शुभ पाँड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30

अशुभ : 10:30 से 12:00

शुभ : 12:00 से 01:30

अशुभ : दोषहर 01:30 से 03:00

शुभ : 04:30 से 06:00

दिवालयुग : दीर्घ दिवा

उपवास : तिहुँ ख़ास यात्रा का अर्थिक कर्

दिन विशेष : स्कन्द माता पूजन , सीता पंचमी

पंडितविरचित विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्ड महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रेषण,शतघंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फ़क़ड का मन्दिर, रिकॉमर्गंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

जैन धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

जयमल ब्रज मयकर दरबार

आयोजक व. मास 2026

जयमल ब्रज मयकर दरबार

आयोजक व. मास 2026

जयमल ब्रज मयकर दरबार

आयोजक व. मास 2026

जयमल ब्रज मयकर दरबार

आयोजक व. मास 2026

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ मलकपेट के तत्वावधान में श्री जैन महिला मंडल एवं तेजस्वी बहू मंडल द्वारा पूज्य महासती नवदीक्षिता श्री जिव्याश्रीजी म. सा. के द्वितीय दीक्षा दिवस के पावन प्रसंग पर जैन धार्मिक अंताक्षरी प्रतियोगिता का भव्य एवं सफल आयोजन बम्ब सिंधी भवन में किया गया। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में चतुर्मास प्रधान संयोजक पारस डोसी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य जैन धर्म की धार्मिक परंपराओं, सिद्धांतों, भक्ति भावना एवं आध्यात्मिक संस्कारों को मनोरंजक और ज्ञानवर्धक माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना था। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जैन भजनों, स्तवनों, स्तुतियों एवं धार्मिक गीतों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, स्मरणशक्ति और धर्म के प्रति अनुराग का सुंदर परिचय दिया। कार्यक्रम में पूज्य महासती श्री राजमतीजी म. सा. 'राजुल', पूज्य श्री विनयश्रीजी म. सा. एवं पूज्य महासती श्री जिव्याश्रीजी म. सा. आदि टाउन-3 का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। साध्वी भगवंतों की उपस्थिति ने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा, धर्ममय वातावरण एवं मंगलमय भावनाओं से परिपूर्ण कर दिया। कार्यक्रम का कुशल एवं रोचक मंच संचालन श्री संतोष कोठारी ने किया। उन्होंने अपनी प्रभावशाली वाणी, सहज शैली और मनोरंजक प्रस्तुति से कार्यक्रम में विशेष उत्साह बनाए रखा। निर्णायक के रूप में श्रीमती मोनिका गांधी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए प्रतियोगिता का निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने भाग लिया। प्रत्येक टीम में चार सदस्य थे। टीमों के नाम जैन तीर्थंकरों के नाम पर रखे गए थे। इनमें आदिनाथ, अजीतनाथ, संभवनाथ, अभिनंदननाथ, सुमतिनाथ, पद्मप्रभु, सुपार्श्वनाथ, चंद्रप्रभा, सुविधिनाथ, शीतलनाथ, श्यांशानाथ, वासुपूज्य, विमलनाथ, अनंतनाथ, धर्मनाथ, शांतिनाथ, कुंथुनाथ, अरुनाथ, मल्लिनाथ एवं मुनिमुन्नतनाथ टीम शामिल थीं। निर्णायक श्रीमती मोनिकाजी गांधी ने निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिता का मूल्यांकन कर विजेता टीमों का चयन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मल्लिनाथ टीम में अर्चना मखना, संतोष गोलिया, मंजू गादिद्या एवं शीतल रांका शामिल थीं। द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली वासुपूज्य टीम में कोमल गादिद्या, अंकिता गांधी, किरण सिंघवी एवं सपना कोठारी शामिल थीं। तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली संभवनाथ टीम में त्रिशला कोठारी, राजल पोकरणा, दीपिका टिकलिया एवं प्रियंका कोठारी शामिल थीं। विजेता टीमों को लाभार्थी परिवारों की ओर से पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी प्रतिभागियों को भी सांत्वना पुरस्कार दिए गए।

इस कार्यक्रम का लाभ श्रीमती कविताजी बसंतजी बाफना परिवार एवं श्रीमान पी. शांतिलालजी, सुरेशजी और मुकेशजी गुंदेचा परिवार ने लिया। हाई-टी के लाभार्थी श्रीमान शांतिलालजी महेंद्रजी मुणोत परिवार रहे। लाभार्थी परिवारों, कार्यक्रम संचालक एवं निर्णायक का श्री जैन महिला मंडल तथा तेजस्वी बहू मंडल की सदस्यों द्वारा साड़ी, दुपट्टा एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में जैन श्री संघ मलकपेट, श्री जैन महिला मंडल, तेजस्वी बहू मंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों, प्रतिभागियों एवं समाज के सभी सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा। समाज के बड़ी संख्या में उपस्थित धर्मप्रेमी श्रावक-श्राविकाओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया और इसे सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाई।आयोजक मंडल की ओर से कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों, धर्मप्रेमी बंधुओं, प्रतिभागियों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया गया। विशेष रूप से कार्यक्रम के कुशल संचालक श्री संतोष कोठारी एवं निर्णायक श्रीमती मोनिका गांधी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।यह आयोजन केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि जैन धर्म, भक्ति, ज्ञान और संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सराहनीय प्रयास रहा। कार्यक्रम ने समाज में धार्मिक जागरूकता, आपसी सद्भाव एवं एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

एकजुटता की ताकत से सेवा और समर्पण की नई मिसाल गढ़ रहा राधे-राधे ग्रुप : महेश गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के प्लिन नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गुप्ता ने कहा कि सबका प्रयास, सबका विकास ही राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का मूल मंत्र और प्रमुख लक्ष्य है। ग्रुप का प्रत्येक सदस्य सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना से प्रेरित होकर मानवता की सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।महेश गुप्ता ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग बेहद आवश्यक है। जब सभी लोग एक उद्देश्य के साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं, तो सेवा के छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार बन जाते हैं। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद इसी भावना के साथ

करना है, जहां हर व्यक्ति सेवा के महत्व को समझे और अपनी सामर्थ्य के अनुसार मानव कल्याण के कार्यों में सहभागी बने। निस्वार्थ सेवा, आपसी एकजुटता और मानवता के प्रति समर्पण ही ग्रुप की असली पहचान है। सेवा के माध्यम से समाज को जोड़ना और जरूरतमंदों के जीवन में सहयोग की भावना पहुंचाना ही ग्रुप का निरंतर प्रयास है।कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, महेश गुप्ता, महेश अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, नंदू अग्रवाल, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सामूहिक रूप से सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत अभियान से जोड़ने की भावना व्यक्त की।

निरंतर सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। ग्रुप की विशेषता यह है कि यहां सेवा को केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा संकल्प माना जाता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करना, भूखों को भोजन उपलब्ध कराना और समाज के प्रत्येक वर्ग के प्रति अपनत्व का भाव रखना ही सच्ची मानवता है।

अन्नसेवा के माध्यम से ग्रुप समाज में सेवा, सद्भाव और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत कर रहा है। इस पुनीत कार्य में प्रत्येक सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण है, क्योंकि किसी भी सामाजिक अभियान की सफलता सभी के समर्पण और सामूहिक भागीदारी पर निर्भर करती है। महेश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य समाज में ऐसा वातावरण तैयार

ईका एवीआई 3एस इलेक्ट्रिक ऑटोरिक्शा लॉन्च

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। एका मोबिलिटी के इलेक्ट्रिक कमर्शियल वाहनों के तेलंगाना में अधिकृत डीलर एसकेईडी राइड्स प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को हैदराबाद के आला लिबर्टी, रानीगंज में ईका एवीआई 3एस इलेक्ट्रिक ऑटोरिक्शा का लॉन्च किया। यह कंपनी का दक्षिण भारतीय बाजार में प्रवेश है। वाहन की सबसे बड़ी खासियत इसकी एसी-डीसी चार्जिंग क्षमता है, जिससे सामान्य 16-एम्प घरेलू सॉकेट और डीसी फास्ट चार्जिंग दोनों संभव हैं। इससे चार्जिंग समय लगभग चार घंटे से घटकर दो घंटे रह जाता है। 10.7 किलोवाट-घंटा बैटरी, एक चार्ज में करीब 200 किमी रेंज और छह साल या 1.80 लाख किमी की बैटरी वारंटी के साथ इसका ऑन-रोड कीमत 3.85 लाख रुपये है। एका मोबिलिटी पहले साल में तेलंगाना में

2,500 इलेक्ट्रिक ऑटोरिक्शा बेचने का लक्ष्य रखती है। कंपनी का अनुमान है कि राज्य में प्रति माह करीब 900 इलेक्ट्रिक श्री-व्हीलर की मांग है, जिसमें हैदराबाद का बड़ा हिस्सा है।लॉन्च कार्यक्रम में एसकेईडी राइड्स के प्रबंध निदेशक पृथ्वी रेड्डी, कार्यकारी निदेशक

मनोज कोठारी व राजेंद्र कोठारी तथा इका मोबिलिटी के क्षेत्रीय प्रबंधक कामेश अरुमगम व हरि प्रसाद मौजूद रहे। कंपनी की वार्षिक उत्पादन क्षमता 10,000 इलेक्ट्रिक ऑटोरिक्शा है और वह अन्य शहरों में भी विस्तार की योजना बना रही है।

श्री सिखवाल समाज, सिक्ंदराबाद में नवरात्रि उत्सव धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रसाद के लाभार्थी श्री हिम्मत राम जी कोलरिया एवं श्री राधेश्याम जी कोलरिया को समाज की ओर से सम्मान किया गया। सम्मान समारोह में घनश्याम जी व्यास, गंगाभिषण जी कोलरिया, नटवर लाल व्यास, भगीरथ पांड्या एवं कमल पांड्या ने भाग लिया।

पोकर खेलते चार गिरफ्तार

पेदापल्ली, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंठम पुलिस आयुक्तलय के अंतर्गत मंचरियाल कस्बे में अवैध रूप से पोकर खेलने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया। बुधवार शाम को विश्वसनीय सूचना के आधार पर कि

मंचरियाल के कॉलेज रोड स्थित हरिनिलय विला में कुछ लोग अवैध रूप से पोकर खेल रहे हैं, सहायक पुलिस आयुक्त श्रीनिवास, उपनिरीक्षक लक्ष्मण राव तथा मंचरियाल टाउन पुलिस के नेतृत्व में नारकोटिक्स टीम और टास्क फोर्स ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान पोकर खेल रहे चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने आरोपियों के पास से 40,300 रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन और एक स्कूटी जब्त की।गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों को जब्त नकदी, मोबाइल फोन और स्कूटी के साथ आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मंचरियाल टाउन पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

राहुल और प्रियंका गांधी से मिले सांसद वमसी कृष्णा, मंत्री विवेक

पेदापल्ली, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पेदापल्ली के सांसद गद्दाम वामसी कृष्णा और तेलंगाना के राज्य मंत्री गद्दाम विवेक वेंकटस्वामी ने दिल्ली के सुनेहरी बाग में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से मुलाकात की। देशभर में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया और इसके प्रभावों को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यह मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बैठक में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण तथा प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकारों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के संदर्भ में चर्चा हुई। मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम सुनिश्चित करने और मतदान अधिकारों की रक्षा का विषय इस मुलाकात के केंद्र में रहा।

अतिरिक्त कलेक्टर प्रसूनम्भा ने परिवार सहित किए श्री अंजनेयस्वामी के दर्शन

पेदापल्ली, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगित्याला जिले की अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती प्रसूनम्भा ने अपने परिवार के साथ कोंडागुडू स्थित श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में दर्शन किए। इस अवसर पर मंदिर अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। बाद में मंदिर के पुजारियों ने श्री स्वामीजी की विशेष पूजा-अर्चना की तथा अतिरिक्त कलेक्टर को तीर्थ-प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर मलयाला तहसीलदार श्रीनिवास, कोडिम्याला तहसीलदार नरेश, मंदिर के सहायक कार्यकारी अधिकारी (ईईओ) हरिहर्नाथ, मुख्य पुजारी मारुति प्रसाद, स्थानाचार्यलु कपिंदर, मंदिर निरीक्षक अशोक सहित मंदिर के पुजारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

गुजराती धुनों पर डांडिया रास की धूम

मंचेरियल, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियल शहर में नवरात्रि के उत्साह और उल्लास के बीच गुजराती धुनों पर डांडिया रास और गरबा की धूम मची हुई है। मारवाड़ी युवा मंच की ओर से राष्ट्रभाषा हिंदी स्कूल के प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोग उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। पारंपरिक वेशभूषा, रंग-बिरंगे परिधानों और गुजराती संगीत की मधुर धुनों ने पूरे परिसर को उत्सवमय बना दिया है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिदिन रात 9:30 बजे विधिवत आरती के साथ होता है। मां दुर्गा की आराधना और मंगलकामना के बाद डांडिया रास का आगाज किया जाता है। जैसे ही गुजराती गीतों की धुनें गूंजने लगती हैं, आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल छा जाता है। युवक-युवतियों सहित महिलाएं और पुरुष पारंपरिक गरबा एवं डांडिया रास में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

धान खरीद केंद्र का उद्घाटन, किसानों से सरकारी केंद्रों का लाभ उठाने की अपील

डोंगली, 15 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार डोंगली प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के तत्वावधान में माधन हिरारणा एवं शिरपुर गांवों के लिए स्थापित धान खरीद केंद्र का उद्घाटन सहकार सोसायटी के अध्यक्ष राम पाटिल ने किया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष रमेश पाटिल, डोंगली मंडल अध्यक्ष गजानन देसाई, सरपंच लक्ष्मण बाचे, पूर्व सोसायटी अध्यक्ष बाबूराव, अशोक पाटिल, पूर्व सरपंच बसवंत राव पाटिल, पूर्व एमपीटीसी संतोष बाचे, किसान, सोसायटी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बताया गया कि सरकार ने ग्रेड-ए धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। किसानों से सरकारी खरीद केंद्रों का लाभ उठाने की अपील की गई।

गुरु किसे कहते हैं , क्या जीवन में गुरु का होना इतना आवश्यक है



वास्तव में गुरु की महिमा का पूरा वर्णन कोई कर सकता ही नहीं । गुरु की महिमा भगवान से भी अधिक है । इसलिये शास्त्रों में गुरु की बहुत महिमा आयी है । परंतु वह महिमा सच्चाई की है, दम्भ-पाखण्ड की नहीं । आजकल भारत में सांसारिक अथवा पारमार्थिक ज्ञान देने वाले व्यक्ति को गुरु कहा जाता है। इनकी पांच श्रेणिया हैं। शिक्षक – जो स्कूलों में शिक्षा देता है। आचार्य – जो अपने आचरण से शिक्षा देता है। कुलगुरु – जो वर्णाश्रम धर्म के अनुसार संस्कार ज्ञान देता है। दीक्षा गुरु – जो परम्परा का अनुसरण करते हुए अपने गुरु के आदेश पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए मंत्र दीक्षा देते हैं। गुरु –वास्तव में यह शब्द समर्थ गुरु अथवा परम गुरु के लिए आया है। गुरु का अर्थ है भारी. ज्ञान सभी से भारी है अर्थात महान है अतः पूर्ण ज्ञानी चेतन्य

रूप पुरुष के लिए गुरु शब्द प्रयुक्त होता है, उसकी ही स्तुति की जाती है। नानक देव, त्रेलंग स्वामी, तोतापुरी, रामकृष्ण परमहंस, महर्षि रमण, स्वामी समर्थ, साई बाबा, महावातर बाबा, लाहड़ी महाशय, हैडाखान बाबा, सोमबार गिरी महाराज, स्वामी शिवानन्द, आनंदमई माँ, स्वामी बिमलानंदजी, मेहर बाबा आदि सच्चे गुरु रहे हैं। किसी भी क्षेत्र में मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु शिक्षक का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है । यही सूत्र अध्यात्म के क्षेत्र में भी लागू होता है । ‘अध्यात्म’ सूक्ष्म-स्तरीय विषय है, अर्थात बुद्धि की समझ से परे है । इसलिए आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नत मार्गदर्शक अथवा गुरु कौन हैं, यह निश्चित रूप से पहचानना असंभव होता है । किसी शिक्षक अथवा प्रवचनकार की तुलना में गुरु पूर्णतः भिन्न होते हैं । हमारे इस विश्व में वे आध्यात्मिक प्रतिभा से परिपूर्ण

दीपस्तंभ-समान होते हैं । वे हमें सभी धर्म तथा संस्कृतियों के मूलभूत आध्यात्मिक सिद्धान्त सिखाते हैं । यदि बच्चों से कहा जाए कि वे आधुनिक विज्ञान की शिक्षा किसी शिक्षक के बिना अथवा पिछले कई दशकों में प्राप्त ज्ञान के बिना ही ग्रहण करें तो क्या होगा यदि हमें जीवन में बार-बार पहिए का शोध करना पड़े, तो क्या होगा हमें संपूर्ण जीवन स्वयं को शिक्षित करने में बिताना पड़ेगा । हम जीवन में आगे नहीं बढ़ पाएंगे और हो सकता है कि किसी अनुचित मार्ग पर चल पड़ें । जिस प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित मनुष्य, प्राणी आदि को मन एवं बुद्धि होती है, उसी प्रकार ईश्वरद्वारा निर्मित संपूर्ण विश्वके विश्वमन और विश्वबुद्धि होते हैं हमारी आध्यात्मिक यात्रा में भी मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है ।

किसी भी क्षेत्र के मार्गदर्शक को उस क्षेत्र का प्रभुत्व होना आवश्यक है । अध्यात्म शास्त्र के अनुसार जिस व्यक्ति का अध्यात्म शास्त्र में अधिकार (प्रभुत्व) होता है, उसे गुरु कहते हैं । एक उक्ति है कि अंधों के राज्य में देख पाने वाले को राजा माना जाता है । आध्यात्मिक दृष्टि से दृष्टिहीन और अज्ञानी समाज में, प्रगत छठवीं ज्ञानेंद्रिय से संपन्न गुरु ही वास्तविक अर्थों से दृष्टि युक्त हैं । गुरु वे हैं, जो अपने मार्गदर्शक की शिक्षा के अनुसार आध्यात्मिक पथ पर चलकर विश्व मन और विश्व बुद्धि से ज्ञान प्राप्त कर चुके हैं । आध्यात्मिक मार्गदर्शक अथवा गुरु किसे कह सकते हैं और उनके लक्षण कौन से हैं । जिस प्रकार किसी देश की सरकार के अंतर्गत संपूर्ण देश का प्रशासनिक कार्य सुचारू रूप से चलने हेतु विविध विभाग होते हैं, ठीक उसी प्रकार सर्वोच्च ईश्वरीय तत्त्व के विविध अंग होते हैं । ईश्वर के ये विविध अंग ब्रह्मांड में विशिष्ट कार्य करते हैं । जिस प्रकार किसी सरकार के

अंतर्गत शिक्षा विभाग होता है, जो पूरे देश में आधुनिक विज्ञान सिखाने में सहायता करता है, उसी प्रकार ईश्वर का वह अंग जो विश्व को आध्यात्मिक विकास तथा आध्यात्मिक शिक्षा की ओर ले जाता है, उसे गुरु कहते हैं । इसे अदृश्य अथवा अप्रकट (निर्गुण) गुरु (तत्त्व) अथवा ईश्वर का शिक्षा प्रदान करने वाला तत्त्व कहते हैं । यह अप्रकट गुरु तत्त्व पूरे विश्व में विद्यमान है तथा जीवन में और मृत्यु के पश्चात भी हमारे साथ होता है । इस अप्रकट गुरु की विशेषता यह है कि वह संपूर्ण जीवन हमारे साथ रहकर धीरे-धीरे हमें सांसारिक जीवन से साधना पथ की ओर मोड़ता है । गुरु हमें अपने आध्यात्मिक स्तर के अनुसार अर्थात ज्ञान ग्रहण करने की हमारी क्षमता के अनुसार (चाहे वह हमें ज्ञात हो या ना हो) मार्गदर्शन करते हैं और हममें लगन, समर्पण भाव, जिज्ञासा, दृढ़ता, अनुकंपा (दया) जैसे गुण (कौशल) विकसित करने में जीवन भर सहायता करते हैं । ये सभी गुण विशेष (कौशल) अच्छा साधक बनने के लिए और हमारी आध्यात्मिक यात्रा में टिके रहनेकी दृष्टि से मूलभूत और महत्वपूर्ण हैं । जिनमें आध्यात्मिक उन्नति की तीव्र लगन है, उनके लिए गुरुतत्त्व अधिक कार्यरत होता है और उन्हें अप्रकट रूप में उनकी आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करता है । गुरु शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा से हुई है और इसका गहन आध्यात्मिक अर्थ है । इसके दो व्यंजन (अक्षर) गु और रु के अर्थ इस प्रकार से हैं :गु शब्द का अर्थ है अज्ञान, जो कि अधिकांश मनुष्यों में होता है । रु शब्द का अर्थ है, आध्यात्मिक ज्ञान का तेज, जो आध्यात्मिक अज्ञान का नाश करता (मिटता) है । संक्षेप में, गुरु वे हैं, जो मानव जाति के आध्यात्मिक अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाते हैं और उसे आध्यात्मिक अनुभूतियां और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करते हैं ।

कौन है नायक

कुछ साल पहले की बात है। न्यूयॉर्क के मैनहटन स्टेशन पर वेस्ली ऑट्टी अपनी क्रमशः चार और छह वर्ष की बेटियों के साथ ट्रेन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जब उन्होंने देखा कि ट्रेन सामने से आ रही है, तभी उनके पास खड़ा एक मुसाफिर अचानक गंश खाकर रेलवे ट्रैक पर गिर पड़ा। वेस्ली ने आंव देखा न ताव, इंजन के सामने छलांग लगा दी और उस मुसाफिर को ट्रैक के बीच बनी गहरी नाली में खींच लिया।

ट्रेन के अचानक ब्रेक लगे, लेकिन वह रुक नहीं पाई। पांच डब्बे उनके सिरों को छूते हुए ऊपर से गुजर गए। भित्ति से लथपथ अपनी टोपी उतारते हुए वेस्ली ने तेज आवाज में कहा, ‘मेरी दोनों बेटियों को बता दो कि उनके पापा ठीक हैं’। भीड़ में सभी हैरानी और खुशी जता रहे थे और वेस्ली की सराहना कर रहे थे।

गंश खाकर गिरने वाला मुसाफिर न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी का छात्र था और उसे दौरे पडने की शिकायत थी। उसे अस्पताल ले जाया गया, उसे मामूली चोट और खरोंचें ही आई थीं।

जब उस छात्र ने वेस्ली का आभार जताया, तो उन्होंने कहा, ‘मैंने कोई बड़ा कारनामा नहीं कर दिखाया है। तुन्हें उस समय मदद की जरूरत थी और मैं जो कर सकता था, वह किया।’ कथा-मर्म : नायक वही है, जो किसी की भलाई के लिए जितना कर सकता हो, उतना जी-जान से करे।

संत अपने लिए नहीं जीता

संतों को ऊर्जा का केंद्र माना जाता है। वह अपनी साधना से प्रकृति में फैली ऊर्जा का संग्रह करता है। अपनी इस संग्रहित ऊर्जा से अपने भक्तों का कल्याण करता है। इसलिए संतों के संपर्क में रहने वाला व्यक्ति स्वस्थ और शांत रहता है। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं कि दुष्ट वृत्ति वाला मनुष्य भी संतों के संपर्क में रहे तो वह उदार आचरण वाला बन जाता है। इसीलिए संतों के संपर्क में रहने वाला, उनका आशीर्वाद ग्रहण करने वाला दीर्घायु और स्वस्थ रहता है। संतों को इसीलिए पूजा जाता है कि वे इतने ऊर्जावान रहते हैं कि अपनी ऊर्जा से निरंतर दूसरों को जीवनी शक्ति प्रदान करते रहते हैं।

वे राग, द्वेष से ऊपर होते हैं। इसीलिए समाज में लोग संतों को आदर देते हैं और गुरु रूप में संत की पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि संत अपने लिए नहीं जीता। उसका अपना कुछ होता ही नहीं, उसका सब कुछ समाज का होता है। वह न अपने सुख से सुखी होता है और न अपने दुख से दुखी होता है। कहते हैं कि संत का हृदय तो मक्खन से भी अधिक कोमल होता है। वह दूसरे के दुख से भी दुखी हो जाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उसका न तो अपना दुख होता

है और न सुख होता है। उसका ‘स्वयं’ विसर्जित होकर ‘पर’ बन जाता है इसलिए समाज में संतों को सर्वश्रेष्ठ प्राणी माना जाता है। देव ऊर्जा का अर्थ है- दिव्य आत्माओं के संपर्क में रहकर ऊर्जा ग्रहण करना। देवता का अर्थ है, जो दिव्य हो, जिसमें अनंत दिव्यता हो, उन्हीं दिव्य आत्माओं को भगवान कहते हैं। भगवान का अर्थ है-भगवान। भग में ऐश्वर्य, यश, श्री, आगु, ज्ञान, वैराग्य और सौभाग्य रहता है। इतने गुण जिनमें हों, उसे भगवान कहते हैं। इसीलिए हम इन दिव्य आत्माओं की पूजा करते हैं ताकि उनकी दिव्यता की ऊर्जा हमें प्राप्त हो। इनकी यही दिव्यता आशीर्वाद रूप में हमें प्राप्त होती है। इसी दिव्यता शब्द से देवता बना है। जो संपूर्ण रूप से दिव्य हो। इसी कारण हम उनकी ऊर्जा ग्रहण करते हैं। उनकी ऊर्जा जब हमारे शरीर में प्रवेश करती है, तो हमारे शरीर की जड़ता मूलक ऊर्जा दिव्य ऊर्जा में परिवर्तित हो जाती है। मंदिरों में बैठकर हम उसी दिव्य ऊर्जा को धारण करते हैं। देवता, मंदिर की मूर्ति और गुरु इन तीनों से ऊर्जा ग्रहण करने का विधान है।

क्या है आध्यात्मिकता

लोग आध्यात्मिकता को जीवन-विरोधी या जीवन से पलायन मानते हैं। लोगों में भ्रामक धारणा है कि आध्यात्मिक जीवन में आनंद लेना वज्रित है और कष्ट झेलना जरूरी है।

जबकि सच्चाई यह है कि आध्यात्मिक होने के लिए आपके बाहरी जीवन से कोई लेना-देना नहीं है। आध्यात्मिकता का किसी धर्म, संप्रदाय या मत से कोई संबंध नहीं है। आप अपने अंदर से कैसे हैं, आध्यात्मिकता इसके बारे में है। आध्यात्मिक होने का मतलब है, भौतिकता से परे जीवन का अनुभव कर पाना। अगर आप सृष्टि के सभी प्राणियों में भी उसी परम-सत्ता के अंश को देखते हैं, जो आपमें है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको बोध है कि आपके दुख, आपके क्रोध, आपके क्लेश के लिए कोई और जिम्मेदार नहीं है, बल्कि आप खुद इनके निर्माता हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं, तो मार्ग पर हैं। आप जो भी कार्य करते हैं, अगर उसमें सभी की भलाई निहित है, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आप अपने अहंकार, क्रोध, नाराजगी, लालच, ईर्ष्या और

पूर्वाग्रहों को गला चुके हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। बाहरी परिस्थितियां चाहे जैसी हों, उनके बावजूद भी अगर आप अपने अंदर से हमेशा प्रसन्न और आनंद में रहते हैं, तो आप आध्यात्मिक हैं। अगर आपको इस सृष्टि की विशालता के सामने खुद की स्थिति का एहसास बना रहता है तो आप आध्यात्मिक हैं। आपके अंदर अगर सृष्टि के सभी प्राणियों के लिए करुणा फूट रही है, तो आप आध्यात्मिक हैं। आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि आप अपने अनुभव के धरातल पर जानते हैं कि मैं स्वयं ही अपने आनंद का स्रोत हूं। आध्यात्मिकता मंदिर, मस्जिद या चर्च में नहीं, बल्कि आपके अंदर ही घटित हो सकती है। यह अपने अंदर तलाशने के बारे में है। यह तो खुद के रूपांतरण के लिए है। यह उनके लिए है, जो जीवन के हर आयाम को पूरी जीवंतता के साथ जीना चाहते हैं। अस्तित्व में एकामकता व एकरूपता है और हर इंसान अपने आप में अनूठा है। इसे पहचानना और इसका आनंद लेना आध्यात्मिकता का सार है। अगर आप किसी भी काम में पूरी तन्मयता से डूब जाते हैं, तो आध्यात्मिक प्रक्रिया शुरू हो जाती है, चाहे वह काम झाड़ू लगाना हो क्यों न हो। किसी भी चीज को गहराई तक जानना आध्यात्मिकता है।

मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो

वर्तमान में संसार के लगभग सभी विचारक इस बात को लेकर चिंताग्रस्त हैं कि मनुष्य को दुखों से कैसे मुक्त किया जाए। सभी लोग केवल यही चिंता कर रहे हैं कि मनुष्य दुखों से कैसे मुक्त हो, लेकिन मुक्त होने का प्रयास कोई नहीं कर रहा है।

महर्षि पतंजलि जैसे संतों ने जिन मार्गों को बताया उसका भी अनुसरण कोई नहीं कर रहा है। पूरी मनुष्य जाति असहाय बनकर विकारों के सामने हाथ जोड़कर खड़ी है। हमें अब अपनी ओर से इस महाविनाश को रोकने के लिए थोड़ा प्रयास करना है। मेरा मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जब अपना कल्याण करने लगेगा तो देश में एक ऐसा समाज बनेगा जिसे सर्वात्म कल्याण कहा जाएगा। ऐसे समाज में कोई दुखी, अशांत और



बीमार नहीं होगा, क्योंकि दुख हमारे कारण ही हमें घेरता है। दुखी होने में हमारी कोई सहायता नहीं करता। दुख और सुख दोनों के हम स्वयं कारण होते हैं।

प्रत्येक मनुष्य का मूल स्वरूप स्वस्थ और प्रसन्न रहना है। यही उसकी मूल प्रकृति है, लेकिन हम स्वयं अपने विकारों से ग्रस्त होकर बीमार पड़ जाते हैं या मर जाते हैं।

क्या है सिक्स्थ सेंस, क्या यह एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है

यह सिक्स्थ सेंस ही है, जो समय-समय पर आपको आगाह करता है। कई बार तो हम विश्वास करते हैं और कभी हम उसकी परवाह नहीं करते। यही है सिक्स्थ सेंस, जिसकी व्याख्या पांचों इंद्रियां भी नहीं कर सकतीं। भविष्य में घटने वाली अच्छी या बुरी घटनाओं के प्रति सचेत करने वाला सिक्स्थ सेंस है।

हर व्यक्ति को अपने जीवन-काल में ऐसा अनुभव अवश्य होता है, लेकिन कभी अज्ञानता, तो कभी अंधविश्वास समझते हुए, वह इस पर यकीन नहीं करता। व्यक्ति अपनी पांच इंद्रियों के प्रति जागरूक रहता है, क्योंकि ये इंद्रियां प्रत्यक्ष रूप से शरीर से संबंधित हैं, लेकिन सिक्स्थ सेंस की जानकारी बहुत कम लोगों को होती है, जबकि यह सेंस संवेदनाओं को समझने में पांच इंद्रियों से ज्यादा समर्थ है। इस सेंस के जरिए व्यक्ति एक ऐसी दुनिया में प्रवेश करता है, जो अनदेखी है, ऐसी दुनिया से संवाद स्थापित करता है, जो अनसुनी है। यह आत्मिक दुनिया विज्ञान की कसौटी पर पूरी तरह परखी नहीं गई है, लेकिन इस पर विश्वास करने वाले मानते हैं कि छठी इंद्रिय आपको सचेत करती है और एक नयी दुनिया से संपर्क करवाती है।

सेंस से क्या डरना: सिक्स्थ सेंस हर व्यक्ति के पास होता है। यह मनुष्य की मानसिक अवस्था की एक सामान्य प्रिया है। ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ स्पेशल या गिफ्टेड लोगों के पास होता है। इसे गलत तरीके से प्रचारित किया गया है, इसलिए लोग इससे घबराते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित: व्यक्ति में जन्म से ही यह शक्ति

होती है कि वह आत्मिक दुनिया से संवाद स्थापित कर सके। सिक्स्थ सेंस भी उसी वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिस वैज्ञानिक पद्धति के तहत रेडियो और टेलीविजन के ट्रांसमिशन कार्य करते हैं।

जिस तरह जरूरत पडने पर आप प्रोग्राम सुनने या देखने के लिए किसी फ्रीक्वेंसी या बैंड पर टी.वी. या रेडियो को ट्यून कर लेते हैं, उसी तरह सिक्स्थ सेंस को भी आप दूसरे व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी या आध्यात्मिक दुनिया के किसी व्यक्ति की फ्रीक्वेंसी के अनुसार ट्यून कर सकते हैं। इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग बिजली के माध्यम से काम करती है, लेकिन आत्मिक ट्यूनिंग मस्तिष्क के माध्यम से संपर्क स्थापित करती है। इसके साधन हैं मानसिक एकाग्रता और इच्छाशक्ति।

मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस: कोलंबिया ब्रिटिश यूनिवर्सिटी के साइकोलॉजिस्ट रोनाल्ड रेनसिक ने सिक्स्थ सेंस को प्रमाणित करने के लिए 40 लोगों को कंप्यूटर सीन पर कुछ आस्थर इमेज दिखाए। प्रत्येक इमेज को एक सेकेंड से भी कम समय के लिए हर व्यक्ति को दिखाया गया।

इसके बाद लोगों को एक ग्रे सीन दिखाई गई। ग्रे सीन पर भी कुछ लोगों को वही चित्र नजर आया। कुछ समय बाद उन्हें इन तस्वीरों में कुछ बदलाव करके दिखाया गया। लोगों को पता चल गया कि चित्र में कुछ बदलाव किया गया है।

हालांकि वे यह नहीं बता सके कि किस हिस्से में बदलाव किया गया है। रोनाल्ड इसे मेंटल साइट कहते हैं, जो यह बताती है कि



चित्र में कुछ न कुछ जरूर बदल दिया गया है। उनका मानना है कि मेंटल साइट और सिक्स्थ सेंस में गहरा संबंध है।

मेंटल ट्यूनिंग: इलेक्ट्रॉनिक ट्यूनिंग विश्वसनीय और तर्कसंगत है, जबकि मानसिक एकाग्रता से ट्यूनिंग करना मुश्किल है, क्योंकि यह स्थिर नहीं है। इस पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहा जा सकता। फिर भी इसे पूरी तरह से अवैज्ञानिक मानकर खारिज भी नहीं किया जा सकता।

इलेक्ट्रिकल ट्यूनिंग और मेंटल ट्यूनिंग में फर्क सिर्फ इतना है कि मेंटल ट्यूनिंग अभी शोध के प्रारंभिक दौर में है। इस दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना है।

जहां तक भविष्य में इसकी प्रगति का सवाल है तो हमें यह समझना होगा कि आज विज्ञान ने इतनी प्रगति कर ली है कि सिक्स्थ

सेंस की प्रामाणिकता को भी वैज्ञानिक आधार पर परखा जा सकता है।

सिक्स्थ सेंस का आत्मिक दुनिया से संबंध स्थापित करने संबंधी शोध प्रारंभिक अवस्था में होने के कारण इस पर से पूरी तरह से पर्दा नहीं उठ सका है।

हर व्यक्ति को होता है ऐसा अनुभव: जागृत अवस्था में या सपने में हर व्यक्ति कभी न कभी सिक्स्थ सेंस जैसे अनुभव से गुजरा है।

जो लोग ऐसे अनुभव को याद नहीं कर पाते, वे इसके संकेतों से अनभिज्ञ रहते हैं। कई बार अंधविश्वास या मन का वहम समझते हुए भी लोग इन बातों को दूसरों को बताते से डरते हैं। अध्यात्म से जुड़े लोग इस बात को स्वीकार करते हैं कि कभी न कभी आत्मिक दुनिया से उनका सम्पर्क हुआ है।

प्रेम एक दैवीय शक्ति है जो हमें ईश्वर के करीब ले जाती है



प्रेम बहती नदी है, बंद तालाब नहीं। इसे प रमार्थ के महानंद में मिलने दें। स्वार्थ के संपुट में प्रेम को बंद मत करें। प्रेम को पावन जल छिपा हुआ है। ‘लोकधर्म’ ही ‘प्रेमधर्म’ है। शिवलिंग में शिव को मत देखें। प्रेम के रस में पगी भक्ति की नजर से देखने पर ही सर्वत्र शिव की छवि दिखाई देती है।

प्रेम ऊपर चढ़े तो भक्ति है और नीचे गिरे तो आसक्ति। परमात्मा को धर्मात्म्यों में बंद मत करें। आखिर सभी के हृदय में प्रेम की ही ज्योति दीप्तिमान है। एक समान भाव ही प्रेम का धर्म है, जिसकी सर्वोत्तम अभिव्यक्ति एकता के आनंद में होती है। यही प्रेम असीम-ससीम का, निर्गुण-सगुण का, शक्ति-सौंदर्य का और रूप-रस का मंजुल समन्वय है।

भगवान शिव का प्रिय रुद्राक्ष से कई रोगों का निदान भी संभव है



रोगों के उपचार के लिए चिकित्सा शास्त्र में कई औषधियों का वर्णन मिलता है। इनमें से एक है रुद्राक्ष। रुद्राक्ष वैसे तो भगवान शिव के लिए प्रिय है, लेकिन ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे कई रोगों का निदान भी

संभव है। रुद्राक्ष से रोगों का उपचार करने के तरीके हमारे धर्मग्रंथों और चिकित्सा आधारित ग्रंथों में उल्लेखित हैं। उन्हीं में से कुछ उपाय यहां दिए जा रहे हैं। इन्हें आजमाकर आप स्वास्थ्य लाभ ले सकते हैं। हालांकि इसके साथ चिकित्सकीय जांच भी जरूर करवाते रहें। चारमुखी रुद्राक्ष को दूध में उबालकर सुबह खाली पेट पीने से स्मरण शक्ति तेज होती है। सोमवार के दिन त्रिशूल के आकार का लॉकेट धारण करने से बुद्धि और स्वास्थ्य में वृद्धि होती है। यदि आपके आमाशय में किसी तरह का विकार हो तो तांबे के किसी

पात्र में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुनः यह करें। जब तक रोग ठीक न हों करते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेसर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हृदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

प्राप्त में जल भरकर सिरहाने रखें और उसमें पंचमुखी रुद्राक्ष के पांच दाने डाल दें। सुबह उठकर उस जल को पी लें और अगले दिन पुनः यह करें। जब तक रोग ठीक न हों करते रहें। रक्तचाप यानी ब्लडप्रेसर की रोगियों को पांचमुखी रुद्राक्ष की माला गले में धारण करना चाहिए। ध्यान रखें यह माला हृदय के पास तक जानी चाहिए। किसी भी रोग की औषधि आरंभ करने से पहले उसे पहली बार शिव मंदिर में अर्पित करके भगवान आशुतोष से शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करें। इससे औषधि रोग का शीघ्र निदान करती है।

सुझाव

रोज खाएं एक आंवला

फिर देखें कमाल



किसी ने सच ही कहा है कि बड़े बुजुर्गों का कहा और आंवले का खाया ब्राद में पता चलता है। जी हां, धरती पर आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। आंवला एक ऐसा फल है, जिसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट, गैटेथियम, कार्बोहाइड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन ,विटामिन्स ,मैग्नीशियम, आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप इसको गर्म करके भी खाएं तो भी इसमें मौजूद विटामिन खत्म नहीं होते। आंवला का सेवन करने से कई तरह की बीमारियां दूर होती है और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है।

मोटापा: आजकल हर दूसरा व्यक्ति मोटापे से जूझ रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण आजकल का लाइफस्टाइल है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में रोज एक आंवला खाना शुरू करें जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होने लगता है।

कमजोरी: यदि आप कमजोरी महसूस करते हैं। थोड़े-से काम करने पर थक जाते हैं तो एक माह तक लगातार एक चच्चा आंवला खाकर देखें। इससे जो फायदा होगा, उससे आप खुद हैरान रह जाएंगे। दरअसल, आंवले में विटामिन सी मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जिसके चलते एनर्जी बढ़ती है और धीरे-धीरे कमजोरी दूर हो जाती है।

चेहरा चमकाए: आंवला में विटामिन ए होता है, जो कोलेजन बनने के लिए बहुत जरूरी है। इससे त्वचा टाइट रहती है। आंवला सुबह खाली पेट लेने से शरीर में कोलेजन की कमी दूर होती है। इसके सेवन से मुँहासे और झुर्रियों की समस्या भी कम हो जाती है इसे खाने से बाँड़ी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं जिससे फेस पर रंगो आता है।

डायबिटीज:

आंवला डायबिटिज के लिए फायदेमंद माना जाता है। रोजाना आंवला का सेवन करने से खून में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती है। साथ ही आंवला खराब कोलेस्ट्रॉल को खत्म कर अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बनाने में मदद करता है।

जोड़ो का दर्द: आंवले में एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो जोड़ों के दर्द के साथ अन्य तरह के दर्द में राहत देते हैं। यदि आपके शरीर में हमेशा दर्द रहता है या आपको जकड़न की शिकायत है तो यकीन मानिए, आंवले से आपको किसी भी तरह के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

बालों के लिए वरदान: बालों की किसी भी तरह की परेशानी को आंवला झड़पट खत्म कर देता है। इसीलिए कई लोग इसकी पेस्ट को बालों में लगाते हैं लेकिन इसके सेवन से भी बाल हेल्दी होते हैं। असल में आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स से बालों की चमक बढ़ती है।

पाचन क्रिया में मदद :आंवले का सेवन करने से खाना आसानी से पच जाता है। इसीलिए खाने में रोजाना आंवले की चटनी, मुरब्बा,अचार ,रस, चूर्ण आदि शामिल करें। इससे कब्ज की समस्या भी ठीक हो जाती है।



नवरात्रि 2017

व्रत के दौरान इन 8 तरह के भोजन से रहें दूर

भारत परंपराओं और त्योहारों का देश है. अब शरद नवरात्र का समय है यानी कि वो नौ दिन जब मां दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है. इस दौरान भक्त सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद मां दुर्गा की पूजा कर उनका आशीर्वाद लेते हैं. देवी की कृपा पाने के लिए कई भक्त नौ दिन तक उपवास भी रखते हैं. वैसे उपवास के पीछे वैज्ञानिक कारण भी है. दरअसल, शरद नवरात्र सितंबर-अक्टूबर में आते हैं और यह शरद ऋतु से ठंड की ऋतु में परिवर्तन का समय है . मौसम में आ रहे बदलाव की वजह से हमारे शरीर की इम्यूनिटी कम हो जाती है. ऐसे में गरिष्ठ, ऑयली और जंक फूड से दूर रहने की सलाह दी जाती है. नवरात्रों के दौरान उपवास रखने से शरीर की सफाई भी हो जाती है.

कुछ भक्त निर्जला व्रत रखते हैं. वे पूरे दिन न कुछ खाते हैं और न ही पानी की एक बूंद भी पीते हैं. वहीं कुछ लोग दिन में एक बार खाना खाते हैं और खाने की कुछ चीजों को तो हाथ भी नहीं लगाते. हिंदु धर्म (सनातन) में भोजन को तीन श्रेणियों में बांटा गया है- राजसिक भोजन, तामसी भोजन और सात्विक भोजन. नवरात्रियों में राजसिक और तामसी भोजन से दूर रहकर सिर्फ सात्विक आहार अपनाने की सलाह दी जाती है.

1. मांसाहारी भोजन

चिकन, मटन, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी भोजन पूरी तरह से वर्जित है. यह राजसिक श्रेणी का खाना है. अगर आप उपवास नहीं कर रहे हैं तब भी आपको इस दौरान मांसाहारी भोजन से दूर रहना चाहिए.

2. एंयाज और लहसुन

भोजन को प्याज और लहसुन के बिना बनाने की सलाह दी जाती है. आयुर्वेद के मुताबिक मौसम में आ रहे बदलाव को देखते हुए खाने में



लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए. यह तामसिक भोजन की श्रेणी में आता है और इससे शरीर की गर्मी बढ़ती है.

3. दाल और फलियां

उपवास के दौरान भक्त दालों और फलियों से भी दूर रहते हैं. इस दौरान आलू, शकरकंद, अरबी, सूरन, गाजर, खीरा और लौकी जैसी सब्जियों को खाने की सलाह दी जाती है.

4. नमक

उपवास के दौरान भोजन में साधारण नमक का इस्तेमाल करने के बजाए सेंधा नमक डालना चाहिए.

5. मसाले

नवरात्र के उपवास के दौरान कुछ मसालों का इस्तेमाल वर्जित है. इन मसालों में हल्दी, हींग, सरसों या राई, मेथी दाना और गरम मसाले शामिल हैं. हालांकि आप अपने खाने का स्वाद

बढ़ाने के लिए जीरा, हरी मिर्च, काली मिर्च और अजवाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं.

6. आटा

उपवास के दौरान मक्के का आटा, चावल का आटा, मैदा, गेहूं का आटा और सेंवई का इस्तेमाल नहीं किया जाता है. इनके बजाए आप कुट्टू और सिंघाड़े के आटे का इस्तेमाल कर सकते हैं.

7. चावल

नवरात्र के उपवास के दौरान आप रोजाना इस्तेमाल होने वाला चावल नहीं खा सकते हैं. व्रत के लिए समा के चावल आते हैं, जिन्हें आप अपने भोजन में शामिल कर सकते हैं.

8. पेय पदार्थ और शराब

अगर आप व्रत कर रहे हैं तो इस दौरान सोडा-कोला और शराब पूरी तरह से वर्जित है. नवरात्र में वो भक्त भी शराब और सिगरेट से दूर रहते हैं जो व्रत नहीं करते हैं.

अच्छी हेल्थ के लिए घर में लगाएं तुलसी

तुलसी को औषधि यानी कि जड़ी-बूटियों की महारानी भी कहा जाता है. तुलसी कई रोगों को दूर करने और शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने में बड़ी कारगर है. आमतौर पर यह पौधा हिंदू परिवारों में पाया जाता है और सुहागिन औरतें तो अच्छे वैवाहीक जीवन के लिए इसकी पूजा भी करती हैं. यही नहीं तुलसी लगाने से घर में खुशहाली आती है. हिंदू परिवारों में भले ही तुलसी का धार्मिक महत्व हो लेकिन यह पौधा शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ बैक्टीरिया और वायरल इंफेक्शन से लड़ता है. इसके अलावा तुलसी स्वास्थ्य के लिए कई मायनों में गुणकारी है. आज हम आपको घर में तुलसी लगाने के ऐसे ही पांच बड़े फायदों के बारे में बताएंगे

दूर हो जाएगा स्ट्रेस : आयुर्वेद में कहा गया है कि अगर आप अपने घर में तुलसी लगाते हैं तो स्ट्रेस यानी कि तनाव घर से कोसों दूर रहता है.

मच्छर भगाने में कारगर : तुलसी एक ऐसा

पौधा है जो मसक्‍यूटो रेपलेंट यानी मच्छरों को दूर भागाता है. मलेरिया पर प्रकाशित जर्नलों में कहा गया है कि तुलसी कोड़े-मकौड़ों और मच्छरों को भगाने में असरदार औषधि है. यही वजह है कि आपको खासकर मॉनसून में तो तुलसी घर पर जरूर लगानी चाहिए.

मिलेगी स्वच्छ और ताजी हवा : बेडरूम में तुलसी लगाने से ऑक्सीजन सप्लाई बढ़ जाती है. यह वह पौधा है जो दिन के 20 घंटे ऑक्सीजन देने के साथ ही कार्बन मोनोऑक्साइड, कार्बन डायऑक्साइड और सल्फर डायऑक्साइड जैसी जहरीली गैसों को सोख लेता है.

घर से आएगी अच्छी ख़ुश्बू : तुलसी की ख़ुश्बू वातावरण को तो ताजा रखती ही है साथ ही घर को भी फ़्रेश अरोमा मिलता है. यही नहीं इस पौधे में ऐसे तत्व हैं जो खराब मूड को अच्छा करने का काम करते हैं.

बीमारियों से छुटकारा : तुलसी बीमारियों

से भी लड़ने के लिए जानी जाती है. खांसी या बुखार में तुलसी के पत्तों को चाय में डालकर पीने से आराम मिलता है. आप गरम पानी में तुलसी और इलायची डालकर उसका काढ़ा बना सकते हैं. तुलसी का काढ़ा खून को साफ करने का काम करता है और इससे कॉलेस्ट्रॉल लेवल भी कम होता है.

किडनी की पथरी में असरदार : आप तुलसी के पत्तियों की मदद से किडनी की पथरी से छुटकारा पा सकते हैं. तुलसी के पत्तों को गरम पानी में डालकर उसका सारा अर्क निकाल लीजिए. इसके बाद उसमें एक चम्मच शहद मिलाकर रोजाना पीने से घर पर ही कीडनी की पथरी का इलाज हो जाएगा.

अब तो आप मानते हैं न कि तुलसी के फ़ितने फ़ायदे हैं. आप चाहें हिंदू हों या न हों तुलसी के इतने गुणों को ध्यान में रखते हुए सभी धर्मों को अपने घरों में इस पौधे को लगाना चाहिए.

पर्वतों की रानी मसूरी में पर्यटकों के लिए है बहुत कुछ

देहरादून से 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित मसूरी को पर्वतों की रानी भी कहा जाता है। मसूरी गंगोत्री का प्रवेश द्वार भी है। देहरादून में पायी जाने वाली वनस्पति और जीव-जंतु इसके आकर्षण को और भी बढ़ा देते हैं। दिल्ली, पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए यह लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन पर्यटन स्थल है। आइए जानते हैं यहाँ के मशहूर पर्यटन स्थलों के बारे में-

माल रोड़

मसूरी का माल रोड पूर्व में पिछर पैलेस से लेकर पश्चिम में पब्लिक लाइब्रेरी तक जाता है। ब्रिटिश काल में मसूरी की माल रोड़ पर लिखा होता था भारतीय और कुलों को अनुमति नहीं। इस प्रकार के जातीय चिह्न अंग्रेजों की मानसिकता का परिचय देते हुए मिल जाते थे। इन्हें बाद में पैरों तले रौंद दिया गया था। इस रोड़ पर खाने पीने से लेकर विभिन्न तरह के हर तरह के सामानों की दुकानें हैं जोकि पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

गन हिल

मसूरी की दूसरी सबसे ऊंची चोटी पर रोप-वे द्वारा जाने का आनंद लेना नहीं भूलें। यहां पैदल रास्ते से भी पहुंचा जा सकता है, यह रास्ता माल रोड पर कचहरी के निकट से जाता है और यहां पहुंचने में लगभग 20 मिनट का समय लगता है। रोप-वे की लंबाई केवल 400 मीटर है।

गन हिल से हिमालय पर्वत श्रृंखला अर्थात् बंदरपंच, श्रीकांत, पिठवाड़ा और गंगोत्री समूह आदि के सुंदर दृश्य देखे जा सकते हैं, साथ ही मसूरी और दून-घाटी के विहंगम दृश्य भी यहां



से देखे जा सकते हैं। आजादी-पूर्व के वर्षों में इस पहाड़ी के ऊपर रखी तोप प्रतिदिन दोपहर को चलाई जाती थी ताकि लोग अपनी घड़ियां सैट कर लें, इसी कारण इस स्थान का नाम गन हिल पड़ा।

म्युनिसिपल गार्डन

मसूरी का वर्तमान कंपनी गार्डन या म्युनिसिपल गार्डन आजादी से पहले तक बोटैनिकल गार्डन कहलाता था। कंपनी गार्डन के निर्माता विश्वविख्यात भूवैज्ञानिक डॉ. एच. फाकनार लोगी थे। सन 1842 के आस-पास उन्होंने इस क्षेत्र को सुंदर उद्यान में बदल दिया था। बाद में इसकी देखभाल कंपनी प्रशासन के देखरेख में होने लगी थी इसलिए इसे कंपनी गार्डन या म्युनिसिपल गार्डन कहा जाने लगा।

तिब्बती मंदिर

बौद्ध सभ्यता की गाथा कहता यह मंदिर निश्चय ही पर्यटकों का मन मोह लेता है। इस मंदिर के पीछे की तरफ कुछ ड्रम लगे हुए हैं। जिनके बारे में मान्यता है कि इन्हें घुमाने से मनोकामना पूरी होती है।

वाइल्डर्स लॉज

लाल टिब्बा के निकट यह मसूरी की सबसे ऊंची चोटी है। टूरिस्ट कार्यालय से यह 5 किमी दूर है, यहां तक चोड़े पर या पैदल भी पहुंचा जा सकता है। यहां से बर्फ के दृश्य देखना बहुत रोमांचक लगता है।

कैमल बैक रोड

3 किमी लंबा यह रोड रिक हॉल के समीप कुलरी बाजार से आरंभ होता है और लाइब्रेरी बाजार पर जाकर समाप्त होता है। इस सड़क पर पैदल चलना या घुड़सवारी करना अच्छा लगता है।

झड़ीपानी फाल

यह फाल मसूरी-झड़ीपानी रोड पर मसूरी से 8.5 किमी दूर स्थित है। पर्यटक झड़ी-पानी तक 7 किमी की दूरी बस या कार द्वारा तय करके यहां से पैदल 1.5 किमी दूरी पर झरने तक पहुंच सकते हैं।

मट्टा फाल

यह फाल मसूरी-देहरादून रोड़ पर मसूरी से 7 किमी दूर स्थित है। पर्यटक बस या कार

द्वारा यहां पहुंचकर आगे की 3 किमी दूरी पैदल तय करके झरने तक पहुंच सकते हैं। स्नान और पिकनिक के लिए यह अच्छी जगह है।

कैम्पटी फाल

यमुनोत्री रोड पर मसूरी से 15 किमी दूर 4500 फुट की ऊंचाई पर यह इस सुंदर घाटी में स्थित सबसे बड़ा और सबसे खूबसूरत झरना है, जो चारों ओर से ऊंचे पहाड़ों से घिरा है। झरने की तलहटी में खाना तरोताजा कर देता है और बच्चों के साथ-साथ बड़े भी इसका आनंद उठाते हैं। मसूरी-यमुनोत्री मार्ग पर नगर से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित यह झरना पांच अलग-अलग धाराओं में बहता है, जो पर्यटकों के लिए खासा आकर्षण का केंद्र बना रहता है। यह स्थल समुद्रतल से लगभग 4500 फुट की ऊंचाई पर है। इसके चारों ओर पर्वत श्रृंखलाएं दिखाई देती हैं। अंग्रेज अपनी चाय दावत अकसर यहीं पर किया करते थे, इसीलिए तो इस झरने का नाम कैप्टी (कैप+टी) फाल है।

नाग देवता मंदिर

कार्ट मेकेंजी रोड पर स्थित यह प्राचीन मंदिर मसूरी से लगभग 6 किमी दूर है। वाहन ठीक मंदिर तक जा सकते हैं। यहां से मसूरी के साथ-साथ दून-घाटी का सुंदर दृश्य दिखाई देता है।

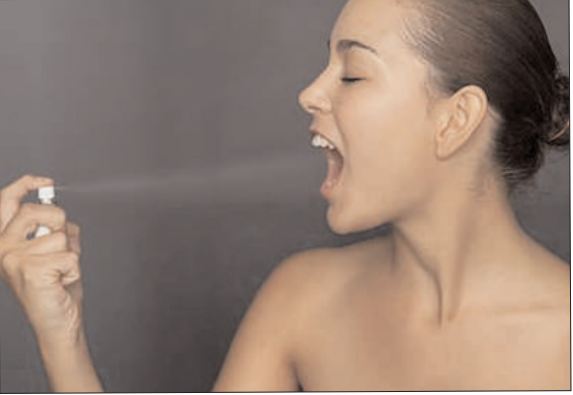
मसूरी झील

मसूरी-देहरादून रोड़ पर यह नया विकसित किया गया पिकनिक स्पॉट है, जो मसूरी से लगभग 6 किमी दूर है। यह एक आकर्षक स्थान है। यहां पैडल-बोट उपलब्ध रहती हैं। यहां से दून-घाटी और आसपास के गांवों का सुंदर दृश्य दिखाई देता है।

ज्वालाजी मंदिर (बेनोग हिल)

मसूरी से 9 किमी पश्चिम में 2104 मी. की ऊंचाई पर ज्वालाजी मंदिर स्थित है। यह बेनोग हिल की चोटी पर बना है, जहां माता दुर्गा की पूजा होती है। मंदिर के चारों ओर घना जंगल है, जहां से हिमालय की चोटियों, दून घाटी और यमुना घाटी के सुंदर दृश्य दिखाई देते हैं।

मुंह से दुर्गंध की समस्या दूर करने के लिए , ये हैं 7 आसान टिप्स



दांतों और मसूड़ों को स्वस्थ रखना ज़्यादा मुश्किल नहीं है। इससे मुंह से दुर्गंध भी नहीं आएगी और आपको अपना मुंह ताज़ा और साफ महसूस होगा। सांस की बदबू दूर करने के लिए ये हैं 9 आसान टिप्स-

1- दिन में 2 बार दांत साफ करें

अगर आप एक भी दिन ब्रश नहीं करते, तो दांतों पर कुछ चिपक जाता है। दरअसल, दांतों पर रह गए खाने पर बैक्टीरिया पैदा होता है और धीरे-धीरे यह ही मुंह से बदबू आने का कारण बनता है। इसीलिए, ज़रूरी है कि आप सुबह उठने पर और रात को सोने से पहले दांत साफ करें। बस ध्यान रहे कि ब्रेश बहुत ज़ोर लगाकर ना करें, क्योंकि इससे दांत खराब हो सकते हैं।

2- माउथवॉश इस्तेमाल करें

अगर ब्रश करने के बाद भी आपके मुंह से बदबू आती है, तो माउथवॉश का इस्तेमाल करें। इससे भी बैक्टीरिया मर जाते हैं। इसमें भी कई फ्लेवर्स आते हैं, जैसे- मिंट आदि। माउथवॉश का इस्तेमाल आप हर रोज़ कर सकते हैं। इसके अलावा, कुछ भी खाने के बाद आप एक बार अंदर से अपना मुंह पानी से धो लें। इससे भी फर्क पड़ेगा।

3- जीभ भी साफ करें

बदबूदार सांस से बचने के लिए सिर्फ दांत ही नहीं, बल्कि अपनी जीभ भी अच्छे से साफ करें, क्योंकि जीभ पर भी खाना चिपक जाता है और फिर वहां बदबू फैलाने वाले बैक्टीरिया जन्म लेते हैं। इसीलिए, अपने ब्रश से ही आराम-आराम से जीभ साफ करें। इससे जीभ से डेड सेल्स भी साफ हो जाएंगे।

4- बदबू पैदा करने वाले फूड्स अवॉइड करें

वो फूड्स जिनसे सांस की बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया पैदा होते हैं, उन्हें अवॉइड करें। प्याज़ और लहसुन ऐसे फूड्स हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि आप इन्हें खाते ही दांत साफ कर लें, क्योंकि इससे मुश्किल हल नहीं होगी। दरअसल, बदबू पैदा करने वाले तत्व हमारे फेफड़ों में चले जाते हैं और जब हम सांस लेते हैं, तो मुंह से दुर्गंध आती है।



5- तंबाकू छोड़ दें

स्मोकिंग करने से ना सिर्फ कैंसर हो सकता है, बल्कि मसूड़े भी खराब होते हैं, दांतों पर निशान पड़ जाते हैं और मुंह से बदबू आने लगती है। इसीलिए, स्मोकिंग और तंबाकू से दूरी बनाएं।

6- डिनर के बाद मीठा बंद करें

मुंह में बदबू पैदा करने वाले बैक्टीरिया मीठा खाने के बाद जल्दी पैदा होते हैं। इसीलिए, खाना खाने के बाद मीठे की जगह बिना चीनी वाली च्यूइंग गम खा लें। इससे मुंह में थूक बनती रहेगी और मुंह नेचुरली अंदर से साफ होता रहेगा।

7- मसूड़ों का खयाल रखें

मसूड़ों की समस्या होने से भी मुंह से दुर्गंध आ सकती है। इसीलिए, अगर आपको मसूड़ों से जुड़ी कोई भी समस्या है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

रेसिपी



विधि

मिक्सचर में पालक को पीस कर मुलायम पेस्ट तैयार कर लें। फिर इस पेस्ट को एक बाउल में निकालकर इसमें लहसुन,कार्न पलोer,नमक और ब्रेड क्रम्स डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। एक अलग बाउल में मोजरेला चीज़ लें और फिर इसमें प्याज और चिली फ्लेवस मिक्स करें। पनीर के मिश्रण से एक समान छोटे-छोटे बाल बना लें और उन्हें साइड पर रख लें। अपने हाथ पर थोड़ा तेल लें और पालक के पेस्ट का गोल पेड़ा लेकर इसे हाथ पर ही चपटा कर लें। चपटे किए हुए पालक के पेड़े पर पनीर के मिश्रण की बाल रखें और उसे चारों तरफ से बंद कर लें। ऐसे ही सारे मिश्रण की छोटी-छोटी बॉल्स बना लें। एक भारी कड़ाही में तेल गर्म करें और फिर इसमें इन बॉल्स को गोल्डन ब्राउन होने तक दोनों तरफ से तलकर नेपकिन पर निकाल लें। गर्म-गर्म सर्व करें।



विधि

एक कड़ाही में 80 ग्राम प्याज डालकर धीमी आंच पर 1-2 मिनट के लिए भूनें। इसमें हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट और 1 टेबलस्पून पानी डालकर अच्छे से हिलाएं। फिर इसमें टोमैटो प्यूरी, लाल मिर्च, गरम मसाला, चीनी और मेथी डालकर 2-3 मिनट के लिए पकाएं। अब इसमें 80 मिली पानी डालकर अच्छे से मिलाएं और 2 मिनट के लिए पकाएं। फिर इसमें पनीर, उबले हुए हरे मटर और 1/2 टीस्पून नमक डालकर मिलाएं और आंच से हटा दें। अन्य पैन में 80 ग्राम प्याज डालकर धीमी आंच पर 1-2 मिनट के लिए भूनें। इसे तबतक भूनें जब तक प्याज का रंग हल्का ब्राउन न हो। इसमें 1 टेबलस्पून पानी डालें ताकि प्याज न जले। इसके बाद इसमें पके हुए ब्राउन चावल और 1/2 टीस्पून नमक डालकर मिलाएं और आंच से हटा दें। एक गिलास बाउल लें और इसमें ब्राउन चावल डालकर अच्छे से फैलाएं। फिर इसके ऊपर तैयार किया पनीर का मिक्सर डालें और दोबारा इस पर ब्राउन चावल डाल दें। ओवन में इसे 400°F/200°C के तापमान पर 8 - 10 मिनट के लिए बेक करें। पनीर मटर बिरयानी तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

पालक पनीर बॉल्स

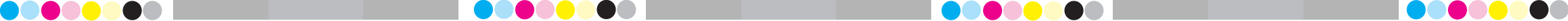
सामग्री

80 ग्राम पालक, 1/4 टी स्पून लहसुन, 1 टेबल स्पून कार्न पलोer, 1/8 टी स्पून नमक, 60 ग्राम ब्रेड क्रम्स, 100 ग्राम मोजरेला चीज़, 40 ग्राम प्याज, 1 टी स्पून चिली फ्लेवस, तेल तलने के लिए

पनीर मटर बिरयानी

सामग्री

80 ग्राम प्याज, 1 टीस्पून हरी मिर्च, 1 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 टेबलस्पून पानी, 190 मिली टोमैटो प्यूरी, 1/2 टीस्पून लाल मिर्च, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 1/8 टीस्पून चीनी, 1/2 टीस्पून मेथी, 80 मिली पानी, 140 ग्राम पनीर, 80 ग्राम हरे मटर(उबले हुए), 1/2 टीस्पून नमक, 140 ग्राम प्याज, 1 टेबलस्पून पानी, 400 ग्राम पके हुए ब्राउन चावल, 1/2 टीस्पून नमक



नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानस में नशरील पदार्थ बेचने वाले के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविरंद सिंह की हत्या बताते हैं कि इस जरूरतले कारोबार के खिलाफ लड़ाई किंतुनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुछर होनी वाले जम्मूदर नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन को गंभीर होना होना। नशे की तलत गंगाने वाली टेबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद संरे आम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में संर्षित लोगों के दुस्सास का पता चलता है। घटना बताते हैं कि स वरुाई के खिलाफ काम करने वाले लोगों को सुरक्षा देने में हमारा तन नाकाम हुआ है।

जजाब के ग्रामीण हलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले पांयों की वारंतिदयस की हत्याएं हले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी नशाशन करने वाली बात यह हो कि हमलावर स मुक्क के बीच रींश का पुनरा ईंातसा हा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविरंद सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी हमार के खिलाफ प्रतिबंधित केसूल बेचने के आरोप लगाते हुए सिंकायत दर्ज करवायी थी। तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन

को लत लगाने वाली टैबलेट बेचने वाले को दण्डित रहने पर नाराज होकर लता का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पहनाकर बाजार में भ्रमया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंदर के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहाँ सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को खुद एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को पता चला कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बटिंडा में जसवीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएँ नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नशा विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानस की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई? क्या पहले भी ऐसी धमकियाँ दी गई थीं? सवालों पर पुलिस को धमकी देना चाहिए कि पिछली शिकायत पर क्या कोई ठोस कार्रवाई हुई थी? क्या प्रतिबंधित दवाइयों की विक्री के मामले में संबंधित विभागों व पुलिस द्वारा ठीक से जांच की गई थी? क्या डिग्रीड ऑथोरिटीयों ने दुकानों में प्रतिबंधित दवाओं की मौजूदगी की पड़ताल की थी? वक्त की जरूरत है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान को वरिष्ठ पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों के साथ हुई बैठक का नतीजा ठोस कार्रवाई के रूप में निकालना चाहिए। अब पहले की तरह सिर्फ आश्वासन से काम नहीं चलने वाला। वास्तव में समय रहते गैर-कानूनी दवा विक्री को रोकने की स्पष्ट होनी चाहिए। इस बात पर सिक्रिपशन और स्टॉक रिकॉर्ड। इस जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जवाबदेह तरीके से ठहारा जाना चाहिए। सही मायने में पंजाब के नशा विरोधी अभियान को सिर्फ गिफ्टारियों और नशीले पदार्थों की जन्ती के आधार पर नहीं आंका जा सकता है। इसे इस आधार पर

पदार्थों को हासिल करना कठिन हुआ है ? क्या नरो के खिलाफ सहयोग करने वाले लोग बिना भयभीत हुए संदिग्ध अपराधियों की सूचना शासन-प्रशासन को दे सकते हैं ? इस घटनाक्रम के बाद अपनी सुविधा के हिसाब से राजनीतिक बदलावकारी शुरू हो गई हैं । पंजाब नरो के जिस सच को प्रचार रहा है, सभी राजनीतिक दलों का दायित्व है कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर बदलावकारी लड़ाई के लिये सहयोग करें ।

कुछ

अलग

हरि बोल...

जरूरत

फेसबुक फ्रेंड, फोन फ्रेंड, लिचर्ड फ्रेंड, डॉन फ्रेंड। फैमिली फ्रेंड, ऑफिस फ्रेंड, गॉसिप फ्रेंड। हार्ट फ्रेंड, कूल फ्रेंड, ताली फ्रेंड, प्यारली फ्रेंड, थाली फ्रेंड, खाली फ्रेंड, रंगाली फ्रेंड, ख्याली फ्रेंड, जाली फ्रेंड, माली फ्रेंड आदि आदि। मैं भी जरूरतों के हिसाब से बहुत से फ्रेंड हैं। क्याचन वन से लेकर बालाचन तक के। क्या पाता, कब कहाँ किसको यूज करने की जरूरत पड़ जाए। और जिसकी जहाँ जरूरत के हिसाब से जरूरत पड़ती है, वहाँ उसको यूज करने की पूरी पूरी कोशिश करता हूँ। उसे किनावा यूज कर पाता हूँ, यह उसकी कमजोरी या मेरी स्पॉन्सरेंस पर निर्भर करता है। इन्हीं फ्रेंडों में से ये भी फ्रेंड हैं। मशाले में मैं भी। कल अपने यही फ्रेंड मिले। बहुत उम्र से थे।

दृष्टि

कोण

सोशल **मीडिया** **मंचों** **से**
 धनार्जन **का** **झूठ**

देश-दुनिया के पूरे समाज में इस प्रकार फैला कि दुनिया के 8 अरब 30 करोड़ लोगों में से 5 अरब 9 करोड़ लोग अपने-अपने वीडियो बनाकर ऐसे मंचों पर प्रसारित कर रहे हैं। ऐसा करने की प्रक्रिया में मोबाइल फोन उपकरण बनाने वाली कंपनियाँ, मोबाइल फोन में लगाने वाले छोटे-बड़े कलपुर्जों बनाने वाली कंपनियाँ, फोन तथा कलपुर्जों का कच्चा माल उखनित, उत्पादित करने वाली कंपनियाँ, इंटरनेट संसार प्रणाली स्थापित-प्रसारित करने वाली कंपनियाँ, इन कंपनियों का विज्ञापन करने वाले सेरोबीटीज यानी नामी-गिरामी व्यक्ति और अंततः ऐसे कंपनियों को धंधा करने की अनुमति देने वाली विभिन्न देशों की सरकारें तथा उनके

बड़े पदों पर बैठे पदाधिकारी तो खूब
जीवन काफ़र रहे हैं, सुख-सुविधाओं में
नाना व्यतीत कर रहे हैं और दुनिया में
उपलब्ध हर प्रकार का ऐश-ओ-आर
भाग रहे हैं, पर लगभग 5 अरब 9 करोड़
लोगों को झोंसे, भ्रम और उम्मीद से
बांधकर उन्हें वास्तविक जिंदगी में दुःख-
दुविधाओं में ही धकेल रहे हैं। ऐसे लोगों के
पास 5 अरब 1 करोड़ या 3 करोड़ लोगों के
पास स्मार्ट फ़ोन हैं। यानी वीडियो बनाने व
अपलोड करने में सक्षम फ़ोन। कुल
मोबाइल कनेक्शन/सब्सक्रिप्शन की
संख्या 9 अरब से अधिक है, क्योंकि कई
व्यक्तियों या व्यावसायिक संस्थानों के
पास एक से अधिक सिम/मोबाइल
कनेक्शन होते हैं। सोशल मीडिया के
विभिन्न मंचों पर अपने-अपने वीडियो
बनाकर डालने तथा फ़रक़ उनके वायरल

विश्व छात्र दिवस इसी संदर्भ में
आत्मस्थान का अवसर है। प्रतिवर्ष 15
अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र
दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान
वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे
अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है।
संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को
आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित
किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए,
फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से
कलाम के विद्यार्थी—केंद्रित विचारों, शिक्षा
के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वयंशील
व्यक्तित्व के सम्मान के रूप में मनाया
जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी
केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले
छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वयन्मूढ थे,
जिनके भीतर देश की तस्वीर बदलने की
क्षमता थी। वे बच्चों के बीच जाते, उनसे
संवाद करते, उनके प्रश्नों को प्रोत्साहित
करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा
देते थे।

देश

दुनिया से

पहाड़ रो नहीं सकते इसलिए दरकते हैं

सतलूज

अपने घर की दीवार पर पड़ी दरार को उभाली से छूता है, जैसे कोई बुजुर्ग अपने बच्चे का घाव सहलाता हो। गांव के नीचे से करछम बांगतू परियोजना की सुरंग गुजरती है, और उस व्यक्ति की शिकायत मुआवजे से ज्यादा इस बात की है कि सुरंग बिछाने से पहले किसी ने उनसे पूछा तक नहीं। दरार देखने में छोटी है, पर उसमें एक पूरे समाज की अनुसूची पीड़ा दर्ज है। यहाँ विकास की हमारी परिभाषा कठघरे में खड़ी होती है। बिजली को प्रगत का पर्याय मान लिया और पहाड़ को ऐसा सपाया बना, जिससे कच्चा निचोड़ी जा सके। जबकि पहाड़ किसी के लिए संसाधन है तो किसी के लिए घर, देवता और स्मृति। किन्नौर में सतलुज, बास्य और स्पीति की घाटियाँ दुनिया के सबसे नाजुक भूभागों में गिनी जाती हैं। वहीं नाथपा-झाकड़ी जैसी डेढ़ हज़ार मेगावाट की परियोजना की मुख्य सुरंग लाभान्विता सातईस किलोमीटर लंबी है। करछम बांगतू, बासपा-दो, कश्गार और शोरांगर-करछम जैसी परियोजनाओं के साथ दर्जनों और प्रस्तावित हैं। हर परियोजना नदी को सुरंग में मोड़ती है, और पहाड़ के भीतर सुरंगों से लंबा खोखलापन छोड़ जाते हैं। एक सुरंग का बोझ पहाड़ गायब नहीं ले, पर जब एक ही घाटी में सुरंगों की कतार लग जाए, तो उनका सामूहिक असर किसी एक परियोजना की रियायत में दर्ज नहीं होता। हमारे नियोजन की समसे बड़ी वैचारिक चूक यही है कि हम पेड़ गिनते हैं और जंगल को नहीं देखते। इस चूक की पहली क्रोमति पानी चुका रहा है, और पहाड़ में पानी का मतलब सिर्फ़ प्यास नहीं होता। वह बुजुर्गों की बनाई परंपरा है, यहाँ २०१४ में पानी का मतलब सिर्फ़ प्यास नहीं होता। वह बुजुर्गों की बनाई परंपरा है,



की दीवारें, सब इसी लिलसिले की कड़ियां हैं। किन्निरा संघानाण की पांचवी अनुसूची का कर्णक्रम नहीं है, जहां ग्राम समाज की भूमिका निष्पक्षता के साथ है, फिर भी सुरंगों गांवों के नीचे से निकलती रहें और लोगों को पता तब चल, जब उनके घर चटकने को पता तब चल। वर्ष 2021 ने इन चेतावनी को और साफ कर दिया। जलुआई में मारया घाटी के बटसेरी में पथर गिरने से नौ पर्यटकों की मौत हुई। आगस्ट में राष्ट्रीय राजमार्ग-5 पर निपुलसेरी में पहाड़ से एक टुकड़ा बस समेत करे वाहन मलबे में दब गए और क़रीब अट्ठाईस लोग नहीं लौटे। इसके बाद 'नो मीन्स नो' अभियान तेज़ हुआ और किन्निरा तथा लालीत-स्पीति के कई गांव उसका ज़ुलुई। स्थानीय लोगों का अनुभव यह है कि चट्टानों के गिरने और भूखलन की घटनाएं उन्हीं इलाकों में बनी हैं, जहां बांध, पावरहाउस या सुरंगें बनी हैं। हिमपात कोलेक्टिव के 2012 से 2016 के अध्ययन के अनुसार, 1980 से 2014 के बीच किन्निरा में भू-चलन का कारण के लिए डायवर्टेड हुई वन भूमि का लाभान नब्बे प्रतिशत हिस्सा जलविद्युत

વિશ્વ છાત્ર દિવસ

छात्र: सपनों की उड़ान से सृजन की पहचान तक

किस्ती

कम और उसके शिक्षण संस्थानों में पढ़े जा रहे विद्यार्थियों के चरित्र से अधिक निर्धारित होता है। छात्र केवल किसी देश की युवा आबादी नहीं, बल्कि उसकी संभावनाओं, विचारों, मूल्यों और विकास की जीवन्त पूंजी होते हैं। उनका आँखों में चलते सपने राष्ट्र की तकदीर लिखते हैं और उनके हाथों में संवरता भविष्य संस्थता की दिशा तय करता है। किंतु जब यही हाथ सृजन के औजारों के बजाय विध्वंस के हथियार उठाने लगे, जब जाना की शिक्षा सिद्धा की उर्वजना में बदलने लगे और जब शिक्षा के मंदिरों में अनुशासन की जगह अराजकता पनपने लगे, तब यह केवल छात्र जीवन का संकेत नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की चेतना की लिए खतरों की घंटी है। विश्व छात्र दिवस १९६१ संदर्भ में आत्मश्रुत का अवसर है। प्रतिष्ठित १५ अक्टूबर को मनाया जाने वाला विश्व छात्र दिवस भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती को समर्पित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा इस दिवस को आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किए जाने का दावा नहीं करना चाहिए, फिर भी भारत में यह दिन व्यापक रूप से कलाम के विद्यार्थी-केंद्रित विचारों, शिक्षा के प्रति समर्पण और युवाओं के स्वप्नशील, व्यक्तिगत के समर्पण के रूप में मनाया जाता है। डॉ. कलाम के लिए विद्यार्थी केवल परीक्षाओं में अंक प्राप्त करने वाले छात्र नहीं थे, बल्कि वे ऐसे स्वप्नदृष्ट थे, जिनके भारत देश की तत्सौर बदलने की क्षमता थी, वे बच्चों के बीच जाते, उनसे संवाद करते, उन प्रेरणकों को प्रोत्साहित करते और उन्हें बड़े सपने देखने की प्रेरणा देते थे। उनका विश्वास था कि सपने वे नहीं होते जो नींद में आते हैं, बल्कि वे होते हैं जो व्यक्ति को सोने नहीं देते। उनका जीवन इस बात का प्रमाण था कि साधारण परिस्थितियों में जन्मा व्यक्ति भी असाधारण संकल्प, ज्ञान और परिश्रम से इतिहास रच सकता है। डॉ. कलाम का मिशन केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं था। उनका व्यापक स्वप्न भारत की विकासित, आत्मनिर्भर, ज्ञान-संपन्न और नैतिक रूप से सशक्त राष्ट्र बनाना था। उन्होंने



युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, आत्मविश्वास और राष्ट्रनिर्माण से जोड़ने का प्रयास किया। उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका कमाने की योग्यता पैदा करना नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर विवेक, संवेदना, चरित्र और उत्प्रेरणादायकता का विकास करना भी था। वे चाहते थे कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी प्रतिभा सहज की सम्पत्तियों से सीखे और अपनी ऊर्जा को समाज की समस्याओं के समाधान में लगाए। आज प्रश्न यह है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था और छात्र राजनीति उनके इस स्वप्न को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है? समकालीन परिदृश्य का एक क्तिताजनक पक्ष यह है कि अनेक शिक्षण संस्थानों में हिंसक उत्पराग, तोड़फोड़, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, अनुशासनहीनता और शक्ति प्रदर्शन जैसी घटनाएँ चिंता उत्पन्न कर रही हैं। है। यह कहना उचित नहीं होगा कि समूचा छात्र समुदाय इस प्रवृत्ति का शिकार है, क्योंकि इसी पीढ़ी के विद्यार्थी विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य भी कर रहे हैं। फिर भी जहाँ छात्र जलन की रचनात्मक ऊर्जा को सकारात्मक गतिविधियों में खर्चते हैं, वहाँ समाज को उसके कार्यों की पड़ताल करना चाहिए। आखिर जिस उम्र में प्रयोगशालाओं में नूतन आविष्कार होने चाहिए, उस उम्र में यदि परिस्वरण

के अखाड़े बन जाएं, तो यह हमारी सामूहिक विफलता का संकेत है। छात्र आंदोलनों का इतिहास हमें बताता है कि युवाओं की आवाज ने अनेक वास्तविक सामाजिक परिवर्तनों, लोकतांत्रिक अधिकारों और जनहित के प्रयत्नों को नई थार दी है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना, व्यवस्था से जवाबदेही मांगना और शिक्षा संबंधी समस्याओं पर संप्रति आंदोलन छात्रों का सकारात्मक पक्ष है। लेकिन आंदोलन छात्रों के अराजकता के बीच एक महीन, किंतु निर्णायक रेखा खींचे होती है। जब तर्क की जगह तात्त्व, संवाद की जगह हठ, तत्काल उद्वेग और विरोध की जगह हिंसा ले लेती है, तो उद्वेग पीछे छूट जाता है और अहंकार आगे आता है। लोकतंत्र में अहममत का अधिकार अनिवार्य है, लेकिन अहममत के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, शिक्षकों का अपमान करना, अन्याय अथवा दूसरे विद्यार्थियों को पढ़ाई बाधित करना किसी भी तरह उचित नहीं उद्देश्य का संकेत। आगे लगाकर उजाला नहीं किया जा सकता और शासक काटकर वृक्ष को मजबूत नहीं बनाया जा सकता। इस विधि के लिए केवल विद्यार्थियों को दोष देना भी समस्या का सरलरीकरण होगा। परिवारों में संवाद का अभाव, शिक्षा का बढ़ता व्यावसायिकरण, रोजगार को लेकर अनिश्चितता, मानसिक दबाव, सोशल मीडिया पर आक्रामकता का महिमामंडन, नरों की आसान

उपलब्धता और छात्र राजनीति में महारी स्थाव्यों का हस्तक्षेप भी इस संस्कृत को गहरा सकते हैं। जब युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा नहीं मिलती, तब वह कभी निराशा, कभी आक्रोश और कभी अनुकूल की प्रवृत्ति में बहने लगती है। खाली दिमाग शैतान का घर होता है, यह लोकोक्ति हर परिस्थिति में सत्य नहीं, लेकिन इतना अवश्य है कि उद्देश्यहीन ऊर्जा भटकाव का कारण बन सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को केवल उपदेश नहीं, अवसर, मार्गदर्शन, विश्वास और साथर्थ भागीदारी भी चाहिए। यहां जैत दर्शन की अहिंसा, अनेकांत और आत्मानुनयन के शिक्षाएं विशेष प्रासंगिक हो जाती हैं। जैन परंपरा में अहिंसा का अर्थ केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचार, वाणी और व्यवहार में भी संयम रखना है। अनेकांतवाद सिखाता है कि सत्य को समझने के लिए दूसरे पक्ष को सुनना और अपने विचारों की सीमाओं को स्वीकार करना आवश्यक है। यदि इन मूल्यों को छात्र जीवन में व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, तो मतभेद शत्रुता में नहीं बदलेंगे और विरोध संवाद का माध्यम बनेगा। विद्यार्थी यह समझ सकेंगे कि साहस का अर्थ किसी को पराजित करना नहीं, बल्कि अपने क्रोध, आवेग और अहंकार पर विजय पाना है। विश्व छात्र दिवस पर डॉ. कल्याण को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी, जब हम शिक्षकों को परीक्षा-केंद्रित संकीर्णता में निमग्न कर जीवन निर्माण का माध्यम बनाएंगे। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं, खेलों, कला, साहित्य, सामाजिक सेवा और न्यायकार को प्रोत्साहित करना होगा। नशे के विरुद्ध जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य पर खुला विश्वास, शिक्षण-विद्यार्थी संबंधों में विश्वास और छात्र राजनीति में लोकतांत्रिक मर्यादाओं का विकास भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को स्थानीय समस्याओं के समाधान, पर्यावरण संरक्षण, वंचित बच्चों की शिक्षा और सामुदायिक सेवा से जोड़कर उनकी ऊर्जा को सकारात्मक कर्मभूमि दी जा सकती है। साथ ही शिक्षण संस्थानों को भयमुक्त, न्यायपूर्ण और उत्तदायी वातावरण उपलब्ध कराना होगा, क्योंकि अनुशासन का अर्थ दमन नहीं और स्वतंत्रता का अर्थ स्वेच्छता नहीं है।

आप का

नज़रिया

सनातन: सियासी स्टैम्प या शाश्वत जीवन-मूल्य?

शब्द की व्यापकता को एक धर्म तक सीमित करने की कोशिश से उठे सवाल

पिछले कुछ सालों से 'सनातन' शब्द बहुत तेजी से इस देश की फिजाओं में घूम रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद से तो हर कोई खुद को सनातनी बताते और श्रेष्ठ सनातनी दिखाने के लिए लालापित है। बिना यह जाने-समझें कि आखिर सनातन होता क्या है। सनातन शब्द भारतीय शब्दकोश में पहले भी था, लेकिन आज की तरह शायद इस शब्द के मयाने कुछ और थे।

आजकल एक अजीब सा चलन चल पड़ा है। हालांकि को खिलाफ कुछ भी बोलो तो सनान-जरींधी और पाकिस्तान-समर्थक होने का आरोप लगा दिया जाता है। जबकि सनाना को धर्म नहीं है और न ही यह शब्द विशेष रूप से किसी एक ही धर्म और मजहब से जुड़ा है। सनान शब्द का बहुत ही व्यापक अर्थ है। लेकिन न जाने क्यों और कैसे सनान शब्द को एक ही धर्म से जोड़कर इसकी व्यापकता को सीमित करने की कोशिश की जा रही है।

मलबल अगर आप उस धर्म को नहीं मानते है तो आप निश्चित रूप से सनातन-विरोधी हैं। अब तो राजनीतिक मंचों पर भी अपना नफा मुकाम देखकर इस शब्द को प्रयोग में लिया जा रहा है। मानो सनातन का स्टैम्यु लगने पर आपके जन्म-जन्मांतर के सारे पाप धुल जाते हैं और कोई अगर सच्चा देशभक्त भी है तो उसे फिर भी अपनी देशभक्ति साबित करने के लिए सनातनी होने की प्रक्रिया से गुजरना होगा। नहीं तो सनातन का सर्टिफिकेट बांटने वाले ये लोग उसको देशद्रोही कहने में एक मिनट नहीं लगाएंगे।

हर धर्म के प्राचीन ग्रंथों में सनातन शब्द का उल्लेख मिलता है, लेकिन उस परिप्रेक्ष्य में नहीं, जिस अर्थ में इसे आज के समय में प्रयोग में लिया जा रहा है। अधर्ववेद में परमात्मा को सनातन कहा गया है तो गीता के आठवें अध्याय में आत्मा (जीव) को सनातन कहा गया है। बौद्ध ग्रंथ सुत्तनिपात में भी सनातन शब्द का प्रयोग मिलता है और इसका अर्थ शाश्वत, सदा रहने वाला और निरंतर सत्य अर्थ में है। जैन आगमों में भी सनातन को इसी आदि-अनंत सत्य के अर्थ में प्रयोग किया गया है अर्थात् जो शाश्वत है और सदा रहने वाला है, जैसे कर्म-सिद्धांत और प्रकृति के नियम, यानी जैसा बोओगे वैसा काटोगे। सनातन का एक अर्थ प्राचीन भी है, लेकिन इसका मतलब पुराना होने से नहीं, बल्कि ऐसे सिद्धांत जो हर काल में जीवित रहते हैं। लेकिन क्या कारण है कि वर्तमान में वैदिक धर्म के साथ ही सनातन को जोड़ दिया गया है और इस धर्म का हर एक अनुयायी खुद को सनातनी बनाने में गर्व महसूस करता है और बाकी सबको देश-विर-गंधी? जैसे कोई महान बलिदान इस देश के लिए दिया हो।

वर्तमान सदर्भ में इसका प्रयोग एक ही धर्म के लिए जिस तरह से हो रहा है, उसका कारण यह है कि उत्तीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पंडित श्रद्धानंद शर्मा और कुछ दूसरे विचारवादी ने ईसाई मिशनरी, अर्थ-समाज और ब्रह्म समाज जैसे सुधारेवादी आंदोलनों की प्रतिक्रिया में ऋद्धिवादी परंपराओं को बचाने के लिए और राष्ट्र के नाम पर सबको एकजुट करने के लिए इस सनातन शब्द को वैदिक धर्म के साथ जोड़कर लोकप्रिय बनाया। परिणामस्वरूप लाहौर सनातन धर्म सभा जैसी संस्थाओं की स्थापना की गई। इसलिए सिर्फ एक ही धर्म से जोड़कर इस शब्द को देखना सनातन की महत्ता को कम करना है।

सनातन तो शाश्वत है, अनादि-निधन है और उन मूल्यों का नाम है जो हर काल-खंड में अक्षुण्ण बने रहते हैं। इसलिए अगर हमें अपने आप को सनातनी कहना है तो प्रकृति के नियमों के साथ तात्तव्य स्थापित कर आगे बढ़ें। कोई भी ऐसा कार्य न करें जो इंसानियात को सनातन-तार करे। तभी सही मायने में हम सब सच्चे सनातनी हो सकें।

कर्ज अदा कर पाएंगे।



-स्वाती जैन, हैदराबाद



2027 एकदिवसीय विश्व कप टिकटों के लिए आईसीसी को डेढ़ करोड़ से अधिक आवेदन मिले

दुबई अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट को लेकर लोगों में जबरदस्त दिवानग है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि विश्वकप में अभी एक साल का समय है पर टिकटों के लिए अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों ने आवेदन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा टिकटों के लिए बैलेट प्रक्रिया शुरू किए जाने के मात्र 12 दिनों के भीतर ही दुनिया भर से 1.5 करोड़ (15,083,752) से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह आंकड़ा 142 विभिन्न देशों के क्रिकेट प्रेमियों को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में गहरी

दिलचस्पी को दर्शाता है, जो इसे खेल इतिहास के सबसे बहुप्रतीक्षित आयोजनों में से एक बनाता है। आईसीसी ने बताया कि 4,423,417 प्रशंसकों ने बैलेट रजिस्ट्रेशन कराए हैं, जो अफ्रीका में आयोजित होने वाले अब तक के सबसे बड़े क्रिकेट विश्व कप में दुनिया भर की भारी भागीदारी का संकेत है। टिकट आवेदनों की संख्या में यह उछाल विशेष रूप से उल्लेखनीय है; पिछले हफ्ते जहाँ यह आंकड़ा दस लाख था, वहीं दो हफ्तों से भी कम समय में यह बढ़कर 1.5 करोड़ से अधिक हो गया है। यह रज़ान न केवल क्रिकेट की वैश्विक पहुंच को

दर्शाता है, बल्कि आगामी टूर्नामेंट के प्रति उमंग को भी उजागर करता है। फैंस को यह जबरदस्त प्रतिक्रिया टूर्नामेंट के लिए एक शानदार शुरुआत पूर्वाभास कराती है। दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसक तीनों मेजबान देशों में होने वाले मैचों के लिए अपनी रचि निःशुल्क दर्ज करारक इस ऐतिहासिक विश्व कप का हिस्सा बन सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है, जहाँ सभी आवेदनों पर, बैलेट खुलने के बाद से किसी भी समय प्रस्तुत किए जाने पर, समान रूप से विचार किया जाएगा। यह सुनिश्चित करता है कि सभी इच्छुक प्रशंसकों को टिकट पाने का

समान अवसर मिले। फैंस अपनी पसंद के अनुसार कितने भी मैचों के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसमें प्रत्येक मैच को एक अलग प्रविष्टि माना जाएगा। एक मैच के लिए अधिकतम चार टिकटों की मांग की जा सकती है, साथ ही अपनी पसंदीदा टिकट श्रेणी का चयन करने का विकल्प भी उपलब्ध है। यह सुविधा प्रशंसकों को अपनी सुविधा और बजट के अनुसार टिकट चुनने की आजादी देती है। जिन प्रशंसकों के आवेदन चुने जाएंगे, उनसे ईमेल के जरिए संपर्क किया जाएगा और उन्हें उपलब्ध टिकटों की पुष्टि करने के लिए एक निश्चित समय-सीमा दी जाएगी।

न्यूज़ ब्रीफ

रणजी ट्राफी के पहले ही मुकाबले में विफल रहे राहुल सहित दिग्गज युवाओं ने प्रभावित किया

नई दिल्ली। बल्लेबाज केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सहित 4 अनुभवी क्रिकेटर यहां रणजी ट्राफी 2026-27 सीजन के पहले ही मुकाबले में विफल रहे हैं। वहीं युवाओं का प्रदर्शन अच्छा रहा है। युवा प्रतिभाओं ने असाधारण प्रदर्शन करते हुए सभी का ध्यान खींचा। किसी ने एक पारी में 8 विकेट लिए तो किसी ने 198 रनों की शानदार पारी खेली, वहीं दूसरी ओर राहुल और यशस्वी जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर विफल रहे। राहुल रणजी ट्राफी में घरेलू टीम कर्नाटक से खेल रहे थे। वहीं कप्तान स्मरण रविचंद्रन की कर्नाटक का पहला मुकाबला आंध्र प्रदेश से था, जहां राहुल से एक बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह केवल 4 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरी पारी में भी वह मात्र 1 रन के निजी स्कोर पर सीतम कुमार की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। राष्ट्रीय टीम से खेलने के बाद भी उनका ये प्रदर्शन निश्चित रूप से चिंता का विषय है। टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज यशस्वी भी पहले मुकाबले में विफल रहे। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच खेले गए इस मैच में, भले ही उनकी टीम मुंबई ने 429 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की, लेकिन यशस्वी का बल्ला नहीं चला। उन्होंने 13 गेंदें छेले पर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। चंडीगढ़ की पहली पारी 78 पर सिमटने के बाद उन्डे फालोआन मिला और दूसरी पारी भी 196 पर सिमट गई, लेकिन जायसवाल को दोबारा बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की कप्तानी में हैदराबाद ने रणजी ट्राफी के जारी सीजन का अपना पहला मैच सफलतापूर्वक जीत लिया। यह मैच गेंदबाजों के दबदबे वाला रहा, जहां अनिक्वेट रेड्डी ने पहली पारी में 6 विकेट लिए और तनय त्यागराजन ने 3 विकेट चटकाए। दूसरी पारी में भी तनय ने 6 विकेट लेकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं त्रिपुरा के समीर सरकार ने पहली पारी में 8 विकेट लेकर सबको चौंका दिया।

होप को आईपीएल में कई टीमों शामिल करना चाहेंगी : आकाश चोपड़ा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के अनुसार वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप आईपीएल में एक और बार खेलने का अवसर मिल सकता है। आकाश के अनुसार जिक्र प्रकार से होप ने भारतीय टीम के खिलाफ इस दौरे में तीन शतक बनाये हैं उससे पता चलता है कि वह बेहतरीन फार्म में हैं जिसका लाभ आईपीएल टीमें उठाया चाहेंगी। चोपड़ा के अनुसार, जिस खिलाड़ी ने भारत की पिचों पर शानदार प्रदर्शन किया हो, जिसे रिपन और पेंस दोनों तरह की गेंदबाजी से कोई फर्क न पड़ता हो। उसे आईपीएल में अवसर मिलना तय है। होप ने पहले भी आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेला था। चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस दौरे पर बेहतरीन बल्लेबाजी की है। उनके पुत्र शादस, कवर ड्राइव और खड़े-खड़े लगाए गए कमाल के शाट्स उनकी वलास दिखाते हैं। चोपड़ा का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स में उन्हें मध्यक्रम में खेलने का मौका मिला था, जो उनकी स्वाभाविक बल्लेबाजी स्थिति नहीं है। टी20 प्रारूप में वह एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर ज्यादा प्रभावी साबित हो सकते हैं। चोपड़ा ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स को एक में एक विकेटकीपर की तलाश है और वह होप को ले सकती है।

2027 एकदिवसीय के सेमीफाइनल में भारत सहित ये चार टीमों पहुंचेंगी : पोलाक

जोहासबर्ग। अगले साल होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए जहां सभी टीमों ने तैयारीयों शुरू कर दी हैं। वहीं विश्वकप को देखकर दिग्गज खिलाड़ियों ने बयानबाजियां भी शुरू कर दी हैं। अब इसी कड़ी में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और दिग्गज आलराउंडर शान पोलाक ने कहा है कि भारत, मौजूदा चैंपियन आस्ट्रेलिया, 2019 की विजेता इंग्लैंड और मेजबान दक्षिण अफ्रीका इस बार सेमीफाइनल में पहुंचने की सबसे बड़ी दावेदार रहेंगी। पोलाक ने इस सूची में भारत का नाम सबसे पहले रखा है इस कारण है कि भारतीय टीम ने ने पिछले कुछ वर्षों में एकदिवसीय क्रिकेट में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों में हमेशा एक मजबूत दावेदार के रूप में उभरी है। 2023 विश्व कप के फाइनल तक पहुंचने के बाद, भारतीय टीम से 2027 में खिताब जीतने की उम्मीदें और भी अधिक हैं। यह विश्व कप रॉबिन् शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के लिए उनके करियर का संभवतः आखिरी हो सकता है। दोनों खिलाड़ियों ने एक दशक से अधिक समय तक भारतीय बल्लेबाजी की घुरी बने रहकर टीम को कई यादगार जीत दिलाई है, और फैंस चाहेंगे कि वे एक बार फिर इस बड़े मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। वर्तमान भारतीय एकदिवसय टीम पर गौर करें तो बल्लेबाजी में रोहित, विराट, युवा प्रतिभा शुभमन गिल और अनुभवी केएल राहुल जैसे खिलाड़ी हैं, जबकि गेंदबाजी की अगुआई जसप्रीत बुमराह के हाथों में है। वीरेंद्र जेजजा का अनुभव और आलराउंड प्रदर्शन टीम के लिए अतिरिक्त मजबूती प्रदान करता है। यही संतुलित और गहरा संयोजन भारत को 2027 विश्व कप के प्रमुख दावेदारों में से एक बनाता है। पोलाक द्वारा चुनी गई अन्य शीर्ष टीमों में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की भी है

वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया चौथे टी-20 में कैरेबियाई टीम का धमाका, सीरीज 2-2 से बराबर



हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का चौथा मुकाबला वेस्टइंडीज ने 24 रन से जीत लिया। इस जीत के साथ ही कैरेबियाई टीम ने सीरीज में 2-2 से बराबरी कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने तीन विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाए। कप्तान शाई होप ने शतकीय पारी खेली। इसके जवाब में भारतीय टीम 223 रन ही बना सकी। भारत की पारी दो गेंद शेष रहते समाप्त हो गई, क्योंकि अश्वीन सिंह के कंधे पर कीमो पॉल की गेंद लगने के बाद उन्होंने अंपायरों से बातचीत की और रिटाइरड हर्ट होकर मैदान छोड़ दिया। उस समय भारत की हार लगभग तय हो चुकी थी।

संजू सैमसन ने दिलाई शानदार शुरुआत 248 रन के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को जीत के लिए नया इतिहास रचना था, क्योंकि इससे पहले टीम इंडिया ने कभी भी 209 रन से अधिक का लक्ष्य हासिल नहीं किया था। संजू सैमसन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने तीन ओवर में ही टीम का स्कोर 50 रन तक पहुंचा दिया और

महज 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उस समय लग रहा था कि भारतीय टीम आसानी से लक्ष्य तक पहुंच जाएगी। हालांकि, पांचवें ओवर में संजू के आउट होने के बाद भारत की रन गति धीमी पड़ गई। वह पांचवें ओवर की पहली गेंद पर 23 गेंदों में 56 रन बनाकर आउट हुए। उनकी पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल रहे।

अभिषेक शर्मा की धीमी बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा ने इस मुकाबले में अपने स्वाभाविक आक्रामक अंदाज के विपरीत धीमी बल्लेबाजी की। उन्हें पावरप्ले में अधिक गेंदें खेलने का मौका नहीं मिला। जब संजू सैमसन अर्धशतक बनाकर आउट हुए, तब अभिषेक महज तीन रन पर खेल रहे थे। अंत में वह 24 गेंदों में 29 रन बनाकर गुडाकेश मोती का शिकार बने। उनकी पारी में तीन चौके और एक छक्का शामिल रहा। **नीतीश-अक्षर ने कराई वापसी** 11.4 ओवर में 130 रन के स्कोर पर भारत की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। भारतीय टीम की हार तय दिखाई दे रही थी, लेकिन तिलक वर्मा ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर 32

टेस्ट क्रिकेट में पहले ही ओवर में हैट्रिक लगाने वाले विश्व के एकमात्र गेंदबाज है इरफान पठान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान के नाम अनीखा रिकार्ड है। पठान टेस्ट मैच के पहले ही ओवर में हैट्रिक लेने वाले विश्व क्रिकेट के एकमात्र खिलाड़ी हैं। पठान ने ये हैट्रिक साल 2006 में पाकिस्तान के खिलाफ कराची टेस्ट में ली थी। कोई भी अन्य गेंदबाज आज तक से उपलब्धि नहीं दोहरा पाया है। उस ऐतिहासिक टेस्ट मैच में भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नई गेंद की जिम्मेदारी युवा और प्रतिभाशाली इरफान पठान को सौंपी गई, और किसी को अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ ही मिनटों में एक नया इतिहास रचने वाला है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सलमान बट और इमरान फरहात पारी की शुरुआत करने आए। इरफान पठान ने अपने ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर सलमान बट को जुझने पर मजबूर किया, लेकिन चौथी गेंद पर उनकी लहराती हुई स्विंग को भांपने में सलमान पूरी तरह अस्फल रहे और रिलेफ में खड़े राहुल द्रविड़ को एक आसान कैच थमा बैठे।

कूल्हे की चोट के कारण फोबे लिचफील्ड तीसरे वनडे से बाहर, अपने 100वें मैच में बेथ मूनी करेंगी ओपनिंग

ब्रिस्बेन आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड कूल्हे की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बाहर हो गई हैं। उनकी जगह निकोला कैरी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है। वहीं, अपना 100वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही विकेटकीपर-बल्लेबाज बेथ मूनी बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आकर पारी की शुरुआत करेंगी।

एलन बार्डर फोल्ड में आस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान ताहलिया मैकग्रा ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

समाचार लिखे जाने तक बांग्लादेश ने 9 ओवर में केवल 18 रन पर तीन विकेट गंवा दिया है। लिचफील्ड को रविवार को खेले गए दूसरे वनडे में 71 रन की पारी के दौरान कूल्हे की मांसपेशियों में हल्का खिंचाव आया था। चोट की गंभीरता कम बताई गई है, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला को देखते हुए उनकी उपलब्धता पर भी सवाल बने हुए हैं।

100वें वनडे में मूनी को मिली नई जिम्मेदारी लिचफील्ड की अनुपस्थिति में बेथ मूनी बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगी। मूनी के लिए यह मुकाबला खास है, क्योंकि वह अपने करियर का 100वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही हैं। टास से पहले आस्ट्रेलियाई टीम ने उनके इस उपलब्धि भरे अवसर को यादगार

बनाया। टीम के बल्लेबाजी कोच डैन मार्श ने समूह में उनके योगदान की सराहना की। आस्ट्रेलिया को बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए पहले ही चोटों से जुझना पड़ा है। सोफी मोलिन्यू कूल्हे की चोट और लुडी हेंमिल्टन जांच की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उपलब्ध नहीं हैं। इसी वजह से टीम के पास केवल 12 खिलाड़ी उपलब्ध थे। कैरी को श्रृंखला में पहली बार खेलने का मौका मिला है। ग्रेस हैरिस भी टीम को अतिरिक्त विकल्प देने के लिए ब्रिस्बेन पहुंच गई हैं। हालांकि, आस्ट्रेलिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में चयन नहीं होने के बाद वह गुरुवार को ब्रिस्बेन हॉट के टी20 स्प्रिंग चैलेंज अभियान से जुड़ेंगी।

बांग्लादेश ने किए तीन बदलाव बांग्लादेश ने भी तीसरे वनडे के लिए अपनी अंतिम एकादश में तीन बदलाव किए हैं। मुर्शिदा खातून, सुल्ताना खातून और पर्दापंन कर रही दिशा बिस्वास को मरुफा अख्तर, नाहिदा

अख्तर और फरगाना हक पिंकी को जगह टीम में शामिल किया गया है। आस्ट्रेलिया शुरुआती दोनों मुकाबले जीतकर श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। उसने पहला वनडे सात विकेट और दूसरा नौ विकेट से जीता था। अब टीम की नजरें तीसरा मुकाबला जीतकर बांग्लादेश का सूपड़ा साफ करने पर हैं। **दोनों टीमों की अंतिम एकादश** **आस्ट्रेलिया:** जार्जिया वोट, बेथ मूनी (विकेटकीपर), एलिस पेरी, एनाबेल सदरलैंड, एलेक्सा खातून, ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), जार्जिया वेयरहैम, निकोला कैरी, किम गार्थ, अलाना किंग और मेगन शेट। **बांग्लादेश:** मुर्शिदा खातून, शर्मिन सुल्ताना, शर्मिन अख्तर, निगार सुल्ताना, (कप्तान एवं विकेटकीपर), शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, रिंतु मोनी, रावेया खान, दिशा बिस्वास, हबीबा इस्लाम पिंकी और सुल्ताना खातून।

वर्ल्ड टी20 कान्टिनेंट कप में खेलने की खबरों पर शिखर धवन की सफाई, कहा-मेरी अनुमति के बिना नाम का इस्तेमाल किया गया



नई दिल्ली वर्ल्ड टी20 कान्टिनेंट कप में प्रतिभागी के रूप में अपना नाम देखा है। आयोजकों ने मेरी जानकारी या अनुमति के बिना मेरे नाम का इस्तेमाल किया है और मेरी टीम इस मामले से निपटने के लिए उचित कानूनी कदम उठाएगी। मैं मीडिया और अपने प्रशंसकों से अनुरोध करता हूँ कि वे किसी भी अनधिकृत घोषणा के आधार पर खबरें न चलाएं और न ही उन पर भरोसा करें। आनक निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद। शिखर धवन ने भारतीय टीम का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया, लेकिन एकदिवसीय क्रिकेट में उनका प्रदर्शन विशेष रूप से प्रभावशाली रहा। उन्होंने 167 एकदिवसीय मुकाबलों में 44.1 के औसत से 6,793 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 शतक और 39 अर्धशतक निकले। टेस्ट क्रिकेट में धवन ने 34 मैचों में 40.6 के औसत से 2,315 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में सात शतक और पांच अर्धशतक दर्ज हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में धवन ने 68 मुकाबले खेले और 27.9 के औसत से 1,759 रन बनाए। इस प्रारूप में उन्होंने 11 अर्धशतक लगाए। धवन ने अपने बयान में कहा, मैंने

ऋषभ, कृष्णा और राणा के कारण बीसीसीआई नहीं कर पा रहा एकदिवसीय और टेस्ट टीम की घोषणा

आकलैंड भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी20 टीम घोषित कर दी है पर तीन प्रमुख खिलाड़ियों तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा और अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फिटनेस पर जारी संशय के कारण एक दिवसीय और टेस्ट के लिए टीम घोषित नहीं की जा सकी है। ये तीनों खिलाड़ी भारतीय टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा माने जा रहे हैं, और चयनकर्ता इनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, चयन समिति टीम घोषित करने में अंतिम समय तक इंतजार कर सकती है, क्योंकि वह इन खिलाड़ियों की स्थिति पर अंतिम मुहर लगाने का इंतजार कर रही है। गौरतलब है कि भारतीय टीम को 28 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के लिए रवाना होना है, ऐसे में घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी, जबकि दो टेस्ट मैचों की सीरीज 19 नवंबर से खेली जाएगी। 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे इस दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। बीसीसीआई का सेंटर आफ एक्सीलेंस



(सीओई) भी खिलाड़ियों को रिवैब के बाद फिटनेस की मंजूरी देने में सावधानी बरत रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीआई कोई भी जोखिम नहीं लेना चाहता, यही वजह है कि ऋषभ और प्रसिद्ध को उबरने के लिए तीन-तीन सप्ताह का समय दिया गया है, भले ही उनकी चोटें पहली नजर में गंभीर न लगें। यह सावधानी सुनिश्चित करने के लिए बरती

जा रही है कि खिलाड़ी पूरी तरह फिट होकर ही मैदान पर लौटें। चयन समिति और टीम मैनेजमेंट तीनों खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड दौरे पर भेजना चाहते हैं। हर्षित राणा को एक तेज गेंदबाजी आलराउंडर के तौर पर देखा जा रहा है, जो आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करके टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, इसलिए उन्हें दोनों प्रारूपों में शामिल करने की संभावना है। प्रसिद्ध कृष्णा को एकदिवसीय और टेस्ट दोनों में तेज गेंदबाजी आक्रमण का मुख्य सदस्य माना जा रहा है, जबकि ऋषभ पंत टेस्ट टीम के एक प्रमुख सदस्य हैं। कृष्णा को 30 सितंबर को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में चोट लगी थी। वहीं, ऋषभ पंत को इंग्लैंड कप मैच के दौरान खिंचाव हुआ था। इसी कारण वह 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले पहले दो भारत ए चार दिवसीय मैचों में हिस्सा नहीं लेंगे। हर्षित राणा सितंबर में इंग्लैंड दौरे के दौरान चोटिल हुए थे और अभी उनकी वापसी के लिए 25 जून को होने वाली जांच अग्रिम है। ऐसे में, भारतीय टीम प्रबंध और चयन समिति को उम्मीद है कि इन खिलाड़ियों की फिटनेस पर शीघ्र ही फैसला हो जाएगा। जिसके बाद वे टीम घोषित कर सकते हैं।

प्रीवा काँउचर का शुभारंभ, डॉ. प्रीति रेड्डी ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता पर जोर दिया

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रीमियम एथनिक फैशन ब्रांड 'प्रीवा काँउचर' का बुधवार को रोड नंबर 36, नीरुस एंपोरियो के सामने, जुबली हिल्स, हैदराबाद में भव्य उद्घाटन हुआ। ब्रांड की संस्थापक दामिसेड्री चंदना ने इस अवसर पर पारंपरिक भारतीय सौंदर्यबोध को समकालीन डिजाइनों के साथ जोड़ते हुए ब्राइडल हाफ साड़ी, ब्राइडल लहंगे, डिजाइनर ब्लाउज, डिजाइनर साड़ी और एलिफेंट एथनिक वियर पेश किए।

मुख्य अतिथि के रूप में मल्ला रेड्डी विश्वविद्यपीठ की उपाध्यक्ष डॉ. छ. प्रीति रेड्डी ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया। उन्होंने चंदना की उद्यमशीलता, रचनात्मकता और किफायती कीमतों पर, कस्टमाइज्ड एथनिक वियर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता की सराहना की।

प्रीवा काँउचर की संस्थापक दामिसेड्री चंदना ने इस अवसर पर कहा, हम पिछले



10 वर्षों से इस उद्योग में सक्रिय हैं। हमारी सिग्नेचर आउटफिट्स में ब्राइडल हाफ साड़ी, ब्राइडल लहंगे और डिजाइनर ब्लाउज शामिल हैं। कुशल कारीगरों, डिजाइनरों और स्टाइलिस्टों की टीम के सहयोग से हम हर पीस को व्यक्तिगत पसंद और स्टाइल के अनुरूप कस्टमाइज करते हैं। हम शुद्ध कांचीपट्टु, शुद्ध पैतानी और शुद्ध टिश्यू जैसे प्रामाणिक फैब्रिक्स के साथ काम करते हैं, जिससे हर परिधान

में गुणवत्ता और बेहतरीन फिनिश सुनिश्चित होती है।उन्होंने बताया कि प्रीवा काँउचर नियमित रूप से सेलिब्रिटीज, इन्फ्लुएंसर्स और टेलीविजन स्टाइलिस्टों के लिए कस्टमाइज्ड आउटफिट्स तैयार करता है। इसमें बिग बॉस के प्रतिযোগियों के लिए डिजाइनर लहंगे और हाफ साड़ियों पर विशेष फोकस रहता है। ब्रांड अब फ्रैंचाइजी मॉडल के माध्यम से अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की तैयारी में

है।डॉ. प्रीति रेड्डी ने चंदना द्वारा फैशन बिजनेस खड़े करने के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और परिवार के सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक स्वतंत्रता महिलाओं को निर्णय लेने की अधिक स्वतंत्रता देती है। उन्होंने चंदना को प्रीवा काँउचर को पूरे हैदराबाद में विस्तारित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

डॉ. रेड्डी ने चंदना की उद्यमिता यात्रा में परिवार के सहयोग की भी सराहना की और ब्रांड के भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

कस्टमाइज्ड डिजाइनों, पारंपरिक फैब्रिक्स और अवसर-विशिष्ट एथनिक वियर पर फोकस के साथ प्रीवा काँउचर उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने का लक्ष्य रखता है, जो शादियों, उत्सवों, पार्टियों और अन्य विशेष अवसरों के लिए विशिष्ट परिधान चाहते हैं।

सेवा का संकल्प ही राधे-राधे ग्रुप की असली पहचान : संजय गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्न-सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं को समर्पित इस पुनीत अभियान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प निरंतर साकार किया जा रहा है। ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा और सेवाभाव के साथ इस कार्य में सहभागी बनकर समाज में मानवता, सहयोग और परोपकार की भावना को मजबूत कर रहे हैं।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा का संकल्प ही हमारी पहचान है। सेवा केवल किसी जरूरतमंद की सहायता करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारे कर्तव्य, संवेदनशीलता और समर्पण का प्रतीक है। जब समाज के लोग निस्वार्थ भाव से दूसरों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी सामाजिक एकता और सद्भाव को वास्तविक मजबूती



मिलती है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और अधिक से अधिक लोगों को मानव सेवा के कार्यों से जोड़ना है।उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर आराधना है। जरूरतमंदों के प्रति संवेदना रखना, भूखों को भोजन उपलब्ध कराना और बिना किसी भेदभाव के सेवा करना ही भारतीय संस्कृति के मूल संस्कार हैं। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना को आत्मसात करते हुए नियमित रूप से अन्नसेवा के कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। यह अभियान केवल भोजन वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, अपनत्व

और परस्पर सहयोग का संदेश देने वाली एक प्रेरणादायी पहल है। ग्रुप के सदस्यों ने भी सेवा कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करना आवश्यक है।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, शुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, कमल मूंढड़ा, हरीश टोलाराम हिंदुजा, उमाकांतजी गुप्ता, युवान गुप्ता, संजय गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर कल से

बाहेती भवन में प्रतिदिन सुबह 10:30 से शाम 6 बजे तक होगा संग्रहण

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर शुक्रवार, 16 अक्टूबर से रविवार, 18 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन सुबह 10:30 बजे से शाम 6 बजे तक सिद्धिअंबर बाजार स्थित बाहेती भवन में चलेगा। समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जरूरतमंद लोगों की सहायता के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर का उद्घाटन अग्रवाल समाज, अत्तापुर के कोषाध्यक्ष श्री वीरेंद्र अग्रवाल करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री रिद्धिा जागीरदार उपस्थित रहेंगे।विशेष अतिथियों में मधेश बैक के पूर्व निदेशक श्री नारायणलाल बाहेती, सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री अशोक कुमार



हीरावत जैन, गुजराती ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष श्री तरुण मेहता तथा श्री अयोध्या राम चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन स्वामी कमलेश महाराज शामिल होंगे। समिति की ओर से वर्ष 2015 से प्रतिवर्ष पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में एकत्रित कपड़ों को व्यवस्थित करने के बाद तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों के बीच वितरित किया जाता है। इसके अलावा नगर के सरकारी अस्पतालों में ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मरीजों और उनके साथ रहने वाले जरूरतमंद लोगों को भी कपड़े उपलब्ध कराए जाते हैं। हैदराबाद एवं सिकंदराबाद के

आसपास काम करने वाले निर्धन मजदूरों तक भी सहायता पहुंचाई जाती है।शिविर में परिवार के सदस्यों के पहनने योग्य पुराने कपड़े, जैसे धोती, कुर्ता, पैंट, शर्ट, साड़ियां, सलवार-सूट तथा छोटे-बड़े लड़के-लड़कियों के कपड़े दान किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त चादरें, कंबल, बर्तन और घर में उपयोग होने वाली अन्य वस्तुएं भी स्वीकार की जाएंगी।

जरूरतमंद परिवारों के लिए अनाज के रूप में चावल, दाल, गेहूं, ज्वार और शक्कर भी दिए जा सकते हैं। जरूरतमंद स्कूली विद्यार्थियों के लिए नए कपड़े भी दान किए जा सकते हैं।राजस्थानी जागृति समिति ने समाजबंधुओं एवं नगरवासियों से गरीब और जरूरतमंद लोगों की सहायता के इस अवसर का सदुपयोग करने की अपील की है। इच्छुक व्यक्ति वस्तुओं के साथ-साथ वितरण कार्य में आर्थिक सहयोग भी कर सकते हैं।

शिविर के संबंध में अधिक जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी से संपर्क किया जा सकता है।



पुणे, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। देश में संवैधानिक लोकतंत्र की रक्षा और नागरिकों के मताधिकार को सुरक्षित रखने के लिए जब कार्यपालिका (प्रशासनिक तंत्र) और सत्तारूढ़ दल अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल होते हैं, तब न्याय पाने के लिए संवैधानिक प्रक्रिया के तहत सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। लोकतंत्र के महत्वपूर्ण स्तंभों के कथित रूप से विफल होने के कारण ऐसी स्थिति पैदा होना चिंताजनक है। यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के लिए काला दिन है। लेकिन देश में यह नौबत किसकी सत्ता के चलते आई है, यह भाषणजीवी और गैयजजीवी नेतृत्व तथा सत्तापक्ष को समझना चाहिए। देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले शहीदों के सपनों और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता गोपालदादा तिवारी ने भाजपा और उसके नेतृत्व पर निशाना साधते हुए इसे देश के लोकतांत्रिक इतिहास का काला दिन करार दिया। उन्होंने व्या्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भाजपा के सत्ताकांक्षी शीर्ष नेतृत्व के साथ-साथ अपने राजनीतिक दल के संस्थापकों को भी लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार का महत्व समझाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में ऐसी परिस्थितियां पैदा करने वाले सत्ताधारी नेता आज लोकतांत्रिक संस्थाओं और न्यायपालिका के सम्मान की बातें कर रहे हैं, जो अपने आप में विडंबनापूर्ण है।

गोपालदादा तिवारी ने चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित तीन सदस्यीय चयन समिति से भारत के मुख्य-न्यायाधीश को बाहर किए जाने के मुद्दे पर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने कहा कि जिस पक्ष ने चयन समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर न्यायपालिका की भूमिका को सीमित किया, वही पक्ष आज न्यायालय की गरिमा और अवमानना की बात करता है।

यह स्थिति हास्यास्पद होने के साथ ही लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। लोकतंत्र में संस्थाओं की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और आपसी संतुलन बनाए रखना सत्तापक्ष की भी जिम्मेदारी है। कांग्रेस प्रवक्ता ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को दिए गए कानूनी संरक्षण के प्रावधानों पर भी सवाल उठाए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सज़ा...

जांच में सामने आया था कि सौरभ की हत्या के बाद उसके शव के टुकड़े कर घर में रखे नीले ड्रम में डाल दिए गए थे। इस जघन्य हत्याकांड ने देशभर में लोगों का ध्यान आकर्षित किया था। अदालत द्वारा मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

मृत्युदंड का ...

मृत्युदंड केवल कानून में निर्धारित उन अपराधों के लिए दिया जा सकता है, जिनमें यह सजा उपलब्ध है। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार, हत्या जैसे मामलों में मृत्युदंड का इस्तेमाल सामान्य नियम नहीं, बल्कि दुर्लभतम से दुर्लभ मामलों तक सीमित रखा जाना चाहिए। अदालत को यह भी विचार करना होता है कि क्या आजीवन कारावास जैसी वैकल्पिक सजा पर्याप्त होगी।

निर्भया सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्या मामले में चार दोषियों को मृत्युदंड दिया गया था। ऐसे मामलों में सजा सुनाने समय अपराध की प्रकृति, परिस्थितियाँ और अन्य प्रासंगिक पहलुओं पर विचार किया जाता है।

संविधान में क्या है मृत्युदंड का प्रावधान?

भारतीय संविधान में मृत्युदंड पर सीधे प्रतिबंध नहीं है। हालांकि, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देने वाला अनुच्छेद 21 यह सुनिश्चित करता है कि किसी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही उसके जीवन या स्वतंत्रता से वंचित किया जा सकता है।

मृत्युदंड का प्रावधान विभिन्न आपराधिक कानूनों में किया गया है। पहले भारतीय दंड संहिता, 1860 और दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत अपराधों तथा दंड प्रक्रिया का निर्धारण होता था। 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता, 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता और दंड प्रक्रिया संहिता का स्थान लिया।

कानून के अनुसार, मृत्युदंड सुनाने समय अदालत को विशेष कारण दर्ज करने होते हैं। दंड प्रक्रिया संहिता की पूर्व धारा 354(3) में इसका प्रावधान था। अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 393(3) में भी मृत्युदंड के मामले में विशेष कारण दर्ज करने की व्यवस्था है।

किन अपराधों में मिल सकती है मौत की सजा?

भारतीय न्याय संहिता और अन्य लागू कानूनों में कुछ गंभीर अपराधों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है। इनमें कानून की निर्धारित शर्तों के अधीन हत्या, कुछ विशेष परिस्थितियों में सामूहिक दुष्कर्म के साथ हत्या, आतंकवाद से जुड़े कुछ अपराध तथा अन्य निर्दिष्ट गंभीर अपराध शामिल हो सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, कुछ विशेष कानूनों में भी मृत्युदंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए:

सती प्रथा (निवारण) अधिनियम, 1987: सती होने के लिए उकसाने या उसमें सहायता करने के अपराध में कानून के तहत मृत्युदंड अथवा आजीवन कारावास का प्रावधान हो सकता है।

“स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम: धारा 31ए में निर्धारित दोषार किए गए कुछ अपराधों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है। इसकी लागू शर्तों और संशोधनों के अनुसार दंड निर्धारित किया जाता है।

यह ध्यान रखना जरूरी है कि इन विशेष कानूनों के प्रावधान भारतीय दंड संहिता का हिस्सा नहीं थे। इन्हें अलग-अलग अधिनियमों के तहत निर्धारित किया गया था।

भारत में कब-कब दी गई फांसी?

भारत में अलग-अलग गंभीर अपराधों के मामलों में मृत्युदंड पर अमल किया गया है। प्रमुख उदाहरण इस प्रकार हैं:

धनंजय चटर्जी (2004): 14 वर्षीय लड़की के दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी धनंजय चटर्जी को 2004 में फांसी दी गई थी।

अजमल कसाब (2012): वर्ष 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के दोषी मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को 21 नवंबर 2012 को फांसी दी गई थी।

याकूब मेमन (2015): 1993 के मुंबई बम धमाकों के मामले में दोषी याकूब मेमन को 30 जुलाई 2015 को फांसी दी गई थी।

निर्भया कांड के चार दोषी (2020): दिसंबर 2012 को हुए सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में मुकेश सिंह, पवन गुमा, विनय शर्मा और अक्षय कुमार सिंह को 20 मार्च 2020 को सुबह 5:30 बजे तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।

20 मार्च 2020 को निर्भया कांड के चार दोषियों को फांसी दिए जाने के बाद भारत में किसी अन्य दोषी को फांसी दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड की वैधता पर क्या कहा?

भारत में मृत्युदंड की संवैधानिक वैधता को विभिन्न मामलों में अदालतों में चुनौती दी गई है। जगमोहन सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मृत्युदंड की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था। अदालत ने माना कि कानून द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत सुनाई गई मौत की सजा अपने आप में संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन नहीं है।

इस मामले में दलील दी गई थी कि मृत्युदंड संविधान के अनुच्छेद 19 और 21 के तहत मिले अधिकारों के विपरीत है। अदालत ने कहा कि सजा का निर्धारण कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत किया जाता है और न्यायाधीश मुकदमे के दौरान सामने आए तथ्यों, परिस्थितियों तथा अपराध की प्रकृति के आधार पर मृत्युदंड और आजीवन कारावास के बीच निर्णय लेते हैं।

इसके बाद बचन सिंह बनाम पंजाब राज्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दुर्लभतम से दुर्लभ सिद्धांत को स्पष्ट किया। इस सिद्धांत के अनुसार, मृत्युदंड केवल असाधारण मामलों में दिया जाना चाहिए, जब आजीवन कारावास का विकल्प पर्याप्त न हो।

क्या मुस्कान और साहिल को तुरंत दी जाएगी फांसी?

मुस्कान रस्तोगी और साहिल शुक्ला को मृत्युदंड सुनाए जाने के बाद भी कानूनी प्रक्रिया बाकी है। सत्र अदालत द्वारा सुनाई गई मौत की सजा की संबंधित हाई कोर्ट से पुष्टि आवश्यक होती है। इसके बाद दोषियों को कानून के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में अपील और अन्य

उपलब्ध न्यायिक उपायों का सहारा लेने का अवसर मिल सकता है। पात्र परिस्थितियों में दया याचिका का विकल्प भी उपलब्ध होता है। इसलिए अदालत के फैसले और मृत्युदंड पर वास्तविक अमल के बीच अंतर है। आगे की प्रक्रिया संबंधित अदालतों के आदेशों तथा कानून के तहत उपलब्ध विकल्पों पर निर्भर करेगी।

एसआईआर पर...

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में तकनीकी विशेषज्ञों की एक स्वतंत्र समिति गठित करने का भी अनुरोध किया गया है। यह समिति मतदाता सूची से हटाए गए नामों तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ी तकनीकों और प्रक्रियाओं का निष्पक्ष ऑडिट कर सकेगी।

विपक्ष ने मांग की है कि एसआईआर के दौरान जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, उनकी बूधवार सूची सार्वजनिक की जाए। इसमें नाम हटाने के कारणों का भी स्पष्ट उल्लेख हो। साथ ही, बिना पूर्व नोटिस दिए और अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किए किसी भी नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटाने पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग की गई है।

याचिका में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने, ऑनलाइन फॉर्म-6 को पुराने नियमों के अनुरूप बनाए रखने तथा नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की भी अपील की गई है।

विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अदालत से इस मामले में हस्तक्षेप करने तथा मतदाताओं के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। अब 15 अक्टूबर को प्रस्तावित सुनवाई में अदालत का रुख महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मतगणना...

मई में सुप्रीम कोर्ट ने राजगौड़ा को अंतरिम राहत देते हुए निर्देश दिया था कि याचिका लंबित रहने के दौरान वह विधानसभा सदस्य बने रह सकते हैं।

अब सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को अगली सुनवाई में उपलब्ध रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया है। इस मामले में आयोग की ओर से प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेज और वीडियो रिकॉर्डिंग की उपलब्धता आगे की सुनवाई के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है।

संघ...

जबकि वह केवल अपना स्थापना दिवस मनाना चाहता है, जो विजयाशमी के अवसर पर पड़ता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता एन.एल. राजा ने दलील दी कि पुलिस अक्सर कानून-व्यवस्था से जुड़ी संभावित समस्याओं का हवाला देकर ऐसे आवेदनों को खारिज कर देती है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि छोटे संगठनों को भी इसी तरह अनुमति देने से इनकार किया जाए, तो वे अपनी मांगों के लिए न्याय कैसे प्राप्त करेंगे, जबकि उनके पास लंबी कानूनी लड़ाई लड़ने के पर्याप्त संसाधन नहीं होंगे।

वहीं, राज्य के महाधिवक्ता विजया नारायण ने अदालत को बताया

कि अनुमति इसलिए नहीं दी गई, क्योंकि प्रस्तावित स्थान जनसभा आयोजित करने के लिए अधिसूचित स्थल नहीं था।

अदालत ने याचिकाकर्ता पक्ष के पांच प्रतिनिधियों को राज्य के लोक अभियोजक जॉन सत्यन से मिलने और शांतिपूर्ण तरीके से कार्यक्रम आयोजित करने का समाधान निकालने का निर्देश दिया। सुनवाई गुरुवार तक स्थगित करते हुए अदालत ने राज्य सरकार से शांतिपूर्ण जुलूस की अनुमति देने और उसके आयोजन की व्यवस्था के संबंध में रिपोर्ट मांगी।

यह विवाद आरएसएस के रूट मार्च से जुड़े न्यायालय के पूर्व निर्देशों के बाद सामने आया है।

2024 में भी अनुमति को लेकर हुआ था विवाद

वर्ष 2024 में भी मार्च की अनुमति देने से इनकार किए जाने के बाद कानूनी विवाद शुरू हुआ था। उस समय मार्च की अनुमति देते हुए अदालत ने कहा था कि पुलिस की जिम्मेदारी आयोजकों और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना, न्यायिक निर्देशों का पालन करना तथा कानून-व्यवस्था का हवाला देकर आवेदन खारिज करने के लिए मनाइत कारणों का सहारा नहीं लेना है।

लहरा...

पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोप है कि उन्होंने पुलिस के काम में बाधा उत्पन्न की। इसके बाद सभी 14 लोगों को हिरासत में लिया गया।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, इस मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई हैं। पहली एफआईआर संख्या 289/26 कनॉट प्लेस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223(ए), 332 और 61(2) के तहत दर्ज की गई। वहीं, दूसरी एफआईआर संख्या 128/26 संसद मार्ग थाने में बीएनएस की धारा 221, 115(2), 132, 121(1) और 3(5) के तहत दर्ज की गई। दोनों प्राथमिकी 13 अक्टूबर 2026 को दर्ज की गईं। पुलिस ने बताया कि सभी 14 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

दो पत्नियां...

नामांकित किया गया था। वहीं, अशोक लता कुर्रें ने भी स्वीकार किया था कि उनके पहले पति से विवाह विच्छेद नहीं हुआ था।

इन तथ्यों के आधार पर अदालत ने दोनों महिलाओं को सुखीदास कुर्रें की कानूनी रूप से वैध पत्नी मानने से इनकार कर दिया।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तीनों बच्चे सुखीदास कुर्रें की संतान हैं। इसलिए उनकी वैवाहिक स्थिति से जुड़ा विवाद बच्चों के संपत्ति अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा। तीनों बच्चों को दिवंगत कर्मचारी की अचल संपत्ति में बराबर-बराबर हिस्सा मिलेगा।

वहीं, करीब 17 लाख रुपये के बकाया वेतन, पेंशन, सामान्य भविष्य निधि, उपादान और अन्य सेवा लाभों के भुगतान के लिए उत्तराधिकार प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा। इस फैसले से स्पष्ट हुआ कि माता-पिता की वैवाहिक स्थिति को लेकर विवाद होने के बावजूद बच्चों के कानूनी अधिकारों का अलग से निर्धारण किया जा सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS,

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar,

Hyderabad - 500 037

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 15 अक्टूबर, 2026

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पिती ट्रस्ट, समता न्यास और अग्रवाल सेवा दल देंगे 70 लाख की छात्रवृत्ति

आज से आवेदन-पत्रों का वितरण, 600 मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पिती ट्रस्ट, राम मनोहर लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा दल की ओर से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी विद्यार्थियों को कुल 70 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। इसके लिए आवेदन-पत्र गुरुवार, 15 अक्टूबर से 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर वितरित किए जाएंगे।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष भी डिग्री तथा स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएट) की शिक्षा प्राप्त कर रहे 600 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। नियमानुसार प्रत्येक विद्यार्थी को 8,000 रुपये से 27,000 रुपये तक की छात्रवृत्ति दी जाएगी। यह सुविधा सभी धर्मों एवं जातियों के विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध रहेगी। उन्होंने बताया कि छात्रवृत्ति के लिए केवल 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही पात्र होंगे।

आज से आवेदन-पत्रों का वितरण छात्रवृत्ति के आवेदन-पत्र गुरुवार, 15 अक्टूबर से पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर वितरित किए जाएंगे। आवेदन-पत्र केवल विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों को विद्यार्थी के आधार कार्ड एवं अंकतालिका की मूल प्रति की जांच के बाद दिए जाएंगे।

आवेदन-पत्र दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक निम्नलिखित स्थानों से प्राप्त किए जा सकते हैं:

ट्रस्ट का कार्यालय- सोमाजीगुड़ा
कैलाश केडिया - श्याम कुंज, आदर्शनगर
उर्मिला अग्रवाल - बंजारा हिल्स
प्रदीप अग्रवाल - तंबाकू बाजार, सिकंदराबाद
सुधीर गुप्ता - मोजमजाही मार्केट
सुरेंद्र गोयल - कांचीगुड़ा
दीपक गुप्ता - नवीन इंटरप्राइजेज, तुरुप बाजार

निर्धारित कॉलेजों के विद्यार्थियों को ट्रस्ट कार्यालय से मिलेंगे फॉर्म प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अग्रवाल शिक्षा समिति, अविनाश कॉलेज ऑफ कॉमर्स, बटुका ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, केशव मेमोरियल ग्रुप ऑफ कॉलेज, सेंट जोसेफ डिग्री एंड पीजी कॉलेज, तपस्या डिग्री कॉलेज तथा सरोजिनी नायडू वनिता डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं को आवेदन-पत्र केवल ट्रस्ट के सोमाजीगुड़ा स्थित कार्यालय से ही जारी किए जाएंगे। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन-पत्र दि. 25 अक्टूबर तक स्वीकार किए जाएंगे।

शरद बी. पिती ने विद्यार्थियों से किया लाभ उठाने का आग्रह
बदरीविशाल पन्नालाल पिती ट्रस्ट एवं राम मनोहर लोहिया समता न्यास के चेयरमैन तथा अग्रवाल सेवा दल के परामर्शदाता, समाजसेवी शरद बी. पिती ने विद्यार्थियों से इस छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया है। योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए ट्रस्ट के कार्यालय के दूरभाष नंबर 23311056 पर संपर्क किया जा सकता है।



राधे-राधे ग्रुप की निस्वार्थ सेवा देखकर मन भावविभोर हो गया : रेखा अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए रेखा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा की जा रही निस्वार्थ सेव-1ओं को देखकर मन अत्यंत प्रसन्न और भावविभोर हो जाता है।

ग्रुप के सदस्यों का सेवा के प्रति समर्पण, मानवता के प्रति संवेदनशीलता और जल्दतमदों के प्रति अपनापन वास्तव में प्रशंसनीय है।

रेखा अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से समाजसेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है, उसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। सेवा के इस पावन कार्य



को देखकर मन में सम्मान और श्रद्धा का भाव जागृत होता है। कई बार अच्छे कार्यों की प्रशंसा के लिए शब्द भी कम पड़ जाते हैं। राधे-राधे ग्रुप की सेवाएं ऐसी ही हैं, जिन्हें देखकर हृदय प्रसन्नता से भर जाता है। बिना किसी स्वार्थ और दिखावे के सेवा करना ही सच्ची मानवता की

पहचान है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसे सेवा कार्यों की आज विशेष आवश्यकता है। जब लोग अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर दूसरों की सहायता के लिए आगे आते हैं, तभी समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवीय संवेदनाओं को मजबूती मिलती

है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद अपने नियमित सेवा कार्यों के माध्यम से इसी भावना को साकार कर रहा है। यह पहल समाज के अन्य लोगों को भी सेवा के लिए प्रेरित करती है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, शर्मिला अग्रवाल, राजेश सर (योगा) सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए मानवता की सेवा के इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का संदेश है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति समर्पण है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ही समाज में प्रेम, विश्वास और सद्भाव की नींव मजबूत करती है।

विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना की नई कार्यकारिणी घोषित

हरिकिशन ओझा जोन अध्यक्ष और भरत चांडा हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष नियुक्त

तेलंगाना के विभिन्न शहरों में नए चैप्टर खोलने और सदस्यता बढ़ाने पर जोर

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना की बैठक बुधवार को कोलसावाड़ी स्थित पारीक भवन में जोन अध्यक्ष हरिकिशन ओझा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2026-28 के लिए नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। साथ ही हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों के नामों की भी घोषणा की गई।

जोन के महामंत्री रामदेव नागला ने बताया कि हैदराबाद चैप्टर की बैठक में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। उन्होंने सर्वप्रथम राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास को मंच पर आमंत्रित किया। इसके बाद दक्षिण भारत क्षेत्र के प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास, जोन-16 के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा तथा कोषाध्यक्ष हरिशचंद्र शर्मा को मंच पर आमंत्रित किया गया। मंचासीन अतिथियों ने गायत्री

वंदना के साथ भगवान परशुरामजी की पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात अध्यक्ष हरिकिशन ओझा ने स्वागत भाषण दिया और महामंत्री रामदेव नागला ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारी

विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना के अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोहनलाल पल्लोड़ (दधीच), उपाध्यक्ष बभ्रुसिंह राजपुरोहित, रामबाबू कौशिक, सुकदेव जोशी तथा लिंगमपल्ली को बनाया गया। महामंत्री रामदेव नागला, मंत्री सुरेश शर्मा एवं सुरेश गांधी और सहमंत्री विमल खंडेलवाल, हरिप्रसाद रिणवा, अरविंद नारानिया तथा संदीपा जायसवाल नियुक्त किए गए। हरिशचंद्र शर्मा को कोषाध्यक्ष और दीपक पुरोहित को सह-कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कार्यकारिणी सदस्यों में गोकुलचंद्र उपाध्याय, सोहन सिंह राजपुरोहित, श्रवणकुमार दधीच, श्रीलाल पारीक, महेश अवस्थी, बाबूलाल खरोड़, दीपक सारस्वत, राजेंद्र शर्मा, गोपाल डौबा,



बृजभूषण पुरोहित, गोपाल शर्मा, राधाकिशन पाराशर, रमेशचंद्र पारीक, विजयकुमार व्यास तथा मुकेश शाहिल्य को शामिल किया गया।

परामर्शदाता मंडल में बजरंगलाल शर्मा, छानलाल शर्मा, घनश्याम सुठवाल, डॉ. ए.के. पुरोहित, लक्ष्मीनिवास शर्मा, श्रीकिशन शर्मा, श्रीनिवास पंडित, लक्ष्मीनिवास काठवाल, श्रीनिवास रिणवा, रामनिवास पाराशर तथा विक्रम आशीवाल को शामिल किया गया।

भरत चांडा बने हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष

महामंत्री रामदेव नागला ने हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए भरत चांडा को अध्यक्ष, प्रदीप चोटिया खंडेलवाल को महामंत्री तथा

अर्जुन थानवी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने चैप्टर के नवनियुक्त अध्यक्ष भरत चांडा से शीघ्र अपनी कार्यकारिणी गठित करने की अपील की, ताकि इसी माह जोन-16 एवं हैदराबाद चैप्टर के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जा सके और चैप्टर की आगामी योजनाओं की घोषणा हो सके।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हरिनारायण व्यास ने कहा कि दक्षिण भारत में विप्र फाउंडेशन को अन्य राज्यों की तुलना में और अधिक मजबूत बनाने तथा अधिक से अधिक सदस्यों को संगठन से जोड़ने की आवश्यकता है। दक्षिण भारत क्षेत्र के प्रभारी एवं राष्ट्रीय महामंत्री भगवान व्यास ने तेलंगाना के वारंगल, निजामाबाद, मंचेरियल,

शादनगर तथा जेडचर्ला में नए चैप्टर खोलने की बात कही। उन्होंने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में लिंगमपल्ली, अत्तापुर, अलवाल, ए.एस. राव नगर सहित अन्य स्थानों पर भी चैप्टर खोलने पर जोर दिया।

हैदराबाद चैप्टर के दिनेश शर्मा खंडेलवाल ने चैप्टर को तेजी से मजबूत बनाने का प्रस्ताव रखा। कार्यक्रम के दौरान विप्र फाउंडेशन ने तेलंगाना के सूत्रधार छानलाल शर्मा को शॉल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। जोन-16 के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों से फाउंडेशन से जुड़ने की अपील की। अंत में पारीक समाज के प्रमुख सुरेश व्यास ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया, जिसके साथ बैठक का समापन हुआ।



सनतनगर स्थित तनिक शोरूम तथा अमीरपेट के जीएचएमसी ग्राउंड में बथुकम्मा उत्सव के दौरान गरबा एवं डांडिया नृत्य में भाग लेती हुई काव्य किशन रेड्डी, महाकाली अध्यक्ष सरला केतनी, दयानंद, सत्यनारायण, महेश, पवन, भाजपा नेता सपना गुप्ता, रचना, ज्योति, अश्वनी, सुनीता, साक्षी एवं अन्य।

मैट्र भवन में नवरात्रि महोत्सव की धूम

महिला समिति के नेतृत्व में हो रहे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम



हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मैट्र क्षत्रिय स्वर्णकार समाज की ओर से 11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित नवरात्रि महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है।

संस्था के महामंत्री द्वारकाप्रसाद मायछ एवं प्रचार मंत्री चन्द्रशेखर रोड़ा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नवरात्रि उत्सव के अंतर्गत श्रीमती मंजूजी परवाल, श्रीमती नंदाजी सुनालिया एवं श्रीमती कंचनजी मौसूण के नेतृत्व में महिला समिति द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत गुरुवार, 15 अक्टूबर को शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक गरबा-डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समाज के सदस्य एवं महिलाएं इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

शुक्रवार, 16 अक्टूबर को दोपहर से कोटडी

वाली माता सती सावित्री का मंगलपाठ आयोजित किया जाएगा। इसका आयोजन श्रीमती सुनीताजी बुड्डण द्वारा किया जाएगा।

नवरात्रि महोत्सव के कार्यक्रमों को सफल बनाने में समाज के अध्यक्ष पवनकुमार मायछ, कोषाध्यक्ष युगलकिशोरजी कडेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश प्रसाद मायछ, पूर्व महामंत्री हरिकिशन मायछ, शिक्षा सहायता के अध्यक्ष महावीर प्रसाद कडेल, आनंद परवाल, कैलाश परवाल, श्यामसुंदर परवाल, चन्द्रप्रकाश कडेल, नवरत्न रोड़ा, कार्यक्रम संयोजक प्रदीप कुमारजी मांडन, भीवरराजजी मायछ, राजेश कुमार खिपल, कन्हैयालाल कडेल, पूर्व प्रचार मंत्री पंकज वर्मा, भवन मंत्री दामोदरजी कडेल, विमल कुमारजी परवाल, सरिताजी कडेल, यशोदाजी परवाल, मीनाक्षीजी परवाल, रीताजी सोनी, सीमाजी कडेल, परिणितिजी परवाल, सुश्री लहरजी परवाल एवं कनिष्कजी परवाल का अहम योगदान रहा है।

बंगाली कल्चरल एसोसिएशन का आज महापंचमी पर आनंद मेला एवं खरीदारी महोत्सव

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंगाली कल्चरल एसोसिएशन की ओर से 53वें सार्वजनिक श्री श्री दुर्गापूजा महोत्सव के अंतर्गत आज, गुरुवार शाम को बंजारा हिल्स स्थित बंजारा फंक्शन हॉल में आनंदमेला एवं खरीदारी महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

एसोसिएशन के महासचिव श्री सौरभ बनर्जी ने बताया कि आनंदमेला में आगंतुकों के लिए कई लोकप्रिय बंगाली व्यंजन उपलब्ध होंगे। आनंदमेला की संयोजक श्रीमती अनीता दासगुप्ता एवं श्रीमती मधुमिता राय ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से लोगों को बंगाली खानपान और संस्कृति का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

डॉ. त्रिशीता मुखर्जी, सहायक महासचिव एवं मीडिया समन्वयक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसोसिएशन की ओर से पहली बार खरीदारी महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इसमें रेडीमेड परिधान, साड़ियां, सूट, कुर्तियां, आभूषण तथा पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। आनंदमेला में एसोसिएशन



के सदस्यों के साथ बाहरी विक्रेताओं के स्टॉल भी रहेंगे। एसोसिएशन की नारीशक्ति सदस्य नीलिमा, बिदिशा, रूपा, मिली, तनिमा रांय, मोनाली दत्ता, पिषा, प्रमिला, मधुमिता, पुनम, बरनाली, कविता, दिया, तनुश्री, गीता, मौनिका एवं सपना मिलकर इस आयोजन को विशेष बनाने में योगदान देंगी।

एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संजय पान ने बताया कि 16 अक्टूबर को षष्ठी, 17 अक्टूबर को महासप्तमी, 18 अक्टूबर को महाअष्टमी तथा 19 अक्टूबर को महानवमी की पूजा पारंपरिक उत्साह के साथ संपन्न होगी। सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी के अवसर पर निःशुल्क भोग-प्रसाद वितरण और अन्नदान का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वरिष्ठ नागरिकों हेतु अलग व्यवस्था भी की गई है।



भरतपुर और धौलपुर के भूतपूर्व सांसद श्री राम स्वरूप कोहली जी से औपचारिक बातचीत करते हुए अखिल भारतीय माथुर वैश्य सेवा समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय चेतना सेवा समिति की तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष अरुणा गुप्ता तथा ऋषिकेश स्थित राजीव लोचन आश्रम के महंत हृदयग्रीव आचार्य जी।



राजस्थानी प्रगति समाज एवं एजिबिशन सोसाइटी द्वारा आयोजित 54वें रामायण मेले की निमंत्रण पत्रिका का विमोचन करते हुए प्रेसिडेंट कमल नारायण अग्रवाल, सेक्रेटरी एवं प्रधान संयोजक गोविंद नारायण राठी, गिरधारी लाल दग्गा एवं मनोज जायसवाल।

मोदी के 25 वर्षों के शासन में भारत विकास की ओर अग्रसर

करोड़ों लोगों को केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है : विधायक धनपाल



‘चाय पे चर्चा’ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के नेतृत्व और विकास कार्यों की सराहना

निजामाबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहरी विधायक धनपाल सूर्यनारायण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है और विश्व में एक आदर्श के रूप में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक राजनीतिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर बुधवार को श्रद्धानंद गंज में ‘चाय मिलन : मोदी जी 25’ कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

किसानों, महिलाओं और गरीब परिवारों को मिल रहा लाभ

इस अवसर पर संबोधित करते हुए विधायक धनपाल सूर्यनारायण ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में 13 वर्ष और प्रधानमंत्री के रूप में 12 वर्ष तक जन-सेवा की है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से किसानों, महिलाओं, गरीब परिवारों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और छोटे व्यापारियों को सहायता प्रदान कर रही है। चिकित्सा, आवास, बैंकिंग और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जन धन

योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है।

बुनियादी ढांचे से लेकर रक्षा क्षेत्र तक प्रगति

विधायक ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे, अस्पतालों, अंतरिक्ष, विमानन और सैन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दुनिया की दसवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से चौथे स्थान पर पहुंचा है।

चाय बेचने से प्रधानमंत्री पद तक का सफर प्रेरणादायक

कार्यक्रम में इंदौर के चाय विक्रेता मदासु स्वामी यादव ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें भारत के इतिहास का अविस्मरणीय नेता बताया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी का जन्म एक गरीब परिवार में हुआ और उन्होंने ट्रेनों में चाय बेचने से लेकर प्रधानमंत्री पद तक का सफर तय किया। उनका 25 वर्षों का सार्वजनिक राजनीतिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक है। उन्होंने गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परिवार की जड़ें भी चाय बेचने वाले परिवार से जुड़ी हैं।

कार्यक्रम में कई प्रमुख लोग उपस्थित

इस कार्यक्रम में स्थानीय भाजपा नेता श्याम, पार्षद बंतु प्रीति प्रवीण, ज्योति मुरली, निजामाबाद व्यापारी संघ के अध्यक्ष कमल किशोर, क्लर्क संघ के अध्यक्ष बालू, दादुवाई संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास गौड़, हमाली संघ के अध्यक्ष अजैया यादव, पैता वेंकटेशम, अगमथ्या सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सीरवी समाज जवाहरनगर द्वारा

माँ नवदुर्गा का भव्य जागरण

राजस्थानी भजनों और गरबा-डांडिया से भक्तिमय हुआ श्री आईमाता मंदिर



हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजी नगर स्थित सीरवी समाज के धार्मिक आस्था के केंद्र श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के अंतर्गत मां नवदुर्गा माताजी का भव्य जागरण आयोजित किया गया। पूजा-अर्चना, सांची ज्योत प्रज्वलन, महाआरती, राजस्थानी भजनों और गरबा-डांडिया नृत्य से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं ने मां आईमाता के चरणों में शीश नवाकर अपने परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। आयोजन के संबंध में समाज के अध्यक्ष घेवरचंद चोयल एवं सचिव राजुराम चोयल ने बताया कि समाजबंधुओं के सहयोग से नवरात्रि महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन पूजा-अर्चना के साथ शाम 6 बजे से डांडिया नृत्य का आयोजन किया गया। मंगलवार, 13 अक्टूबर को रात 9:15 बजे

पूजा-अर्चना के बाद सांची ज्योत प्रज्वलित की गई। इसके पश्चात महाआरती हुई और भव्य जागरण प्रारंभ हुआ।

जागरण में राजस्थान से आई भजन गायिका सरिता खारवाल एवं कोलपुरा के भंवरलाल सीरवी ने राजस्थानी अंदाज में आईमाता के भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भजनों को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। महिला मंडल की महिलाओं ने गरबा-डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। श्रद्धालुओं ने मां के चरणों में आस्था के पुष्प एवं नारियल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में समाज के गणमान्य पदाधिकारियों एवं अतिथियों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष घेवरचंद चोयल ने स्वागत भाषण में सभी समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं को नवरात्रि महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक ही भवन में समाज के लोगों

का एकत्रित होकर धार्मिक उत्सव मनाना गर्व की बात है। ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, एकता और धार्मिक संस्कारों को मजबूत करते हैं। सचिव राजुराम चोयल ने भी समाजबंधुओं को नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने नारी शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं में अच्छे संस्कार विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम स्थल पर समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था भी की गई।

आयोजन में समाज के अध्यक्ष घेवरचंद चोयल, उपाध्यक्ष हीर-राम चोयल, अशोक कुमार काग, सचिव राजुराम चोयल, सहसचिव भंवरलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, सहकोषाध्यक्ष भंवरलाल सातपुरा, सलाहकार हीराराम काग एवं नारायणलाल बर्मा सहित विभिन्न समितियों के पदाधिकारी और कार्यकारिणी

सदस्य उपस्थित रहे।

शिक्षा समिति के अध्यक्ष जयराम पंवार, उपाध्यक्ष महेंद्र सानपुरा, सोहनलाल हाम्बड़, सचिव सोहनलाल पंवार, सहसचिव राजुराम बर्मा, कोषाध्यक्ष इंगाराम सोलंकी, सहकोषाध्यक्ष अनिल कुमार बर्मा, मीडिया प्रभारी सुखलाल काग, खेल मंत्री वेनाराम चोयल, सहखेल मंत्री कालूराम गेहलोत तथा एरिया मेंबर बाबूलाल मुलेवा, पुनाराम बर्मा, अशोक देवड़ा, लालाराम काग एवं रमेश चोयल ने आयोजन में सहयोग दिया। महिला मंडल समिति की अध्यक्ष कमला देवी चोयल, उपाध्यक्ष मोहनी देवी सोलंकी, सचिव जमनी देवी बर्मा, सचिव जनता देवी मुलेवा, कोषाध्यक्ष पुष्पा देवी चोयल, सहकोषाध्यक्ष कमला देवी पंवार, सलाहकार प्यारी देवी चोयल एवं हंसा देवी बर्मा सहित महिला मंडल की सदस्य सक्रिय रही।

इसी प्रकार शिक्षा समिति महिला मंडल की अध्यक्ष लक्ष्मी देवी बर्मा, उपाध्यक्ष ममता देवी पंवार, सचिव रजना देवी पंवार, सहसचिव दामिनी देवी सोलंकी, खेल मंत्री कविता देवी काग एवं सहखेल मंत्री विमला देवी चोयल ने भी आयोजन में सहयोग दिया।

कार्यक्रम का मंच संचालन पुनाराम सीरवी जोजावर ने किया। अंत में सचिव राजुराम चोयल ने सभी अतिथियों, समाजबंधुओं, महिला मंडल की सदस्यों एवं सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भवानी परिवार का दुर्गा पूजा एवं डांडिया उत्सव संपन्न



मां भवानी की आरती, भजनों और डांडिया रास से भक्तिमय हुआ माहौल भावसार क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक मनाया नवरात्रि पर्व

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नवरात्रि के पावन अवसर पर भवानी परिवार (भावसार क्षत्रिय समाज) की ओर से दुर्गा पूजा एवं डांडिया कार्यक्रम का आयोजन 13 अक्टूबर को नामपल्ली स्थित एजीबिशन ग्राउंड्स में किया गया। इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने मां भवानी की आरती उतारी और भजन प्रस्तुत किए। इसके साथ ही डांडिया रास एवं महाप्रसाद का आयोजन भी हुआ। कार्यक्रम में भावसार क्षत्रिय समाज के सदस्यों

ने एकजुट होकर भक्ति, उल्लास और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ नवरात्रि पर्व मनाया। मां भवानी की आराधना और भजनों से वातावरण भक्तिमय हो गया।

डांडिया रास में सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई।

कार्यक्रम को सफल बनाने में आशा किरण नीमकर, ज्योति श्रीधर चुटके, बबिता महेंद्रकर, कमल गडाले, कुसुम वात्रे, श्याम सुंदर भांडेकर, अशोक नीमकर एवं सुरेश गडाले सहित समिति के सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

आयोजकों ने कार्यक्रम में पधारे सभी भावसार बंधुओं एवं उनके परिवारजनों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए उनका अभिनंदन किया।

‘अलाई बलई-2026’ की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित



हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने 14 अक्टूबर 2026 को हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एजीबिशन ग्राउंड्स में आयोजित ‘अलाई बलई-2026’ की तैयारियों संबंधी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता अलाई बलई फाउंडेशन

की अध्यक्ष श्रीमती बंडारू विजयलक्ष्मी ने की। इस अवसर पर भाजपा के महासचिव श्री एन. गौतम राव, पूर्व विधायक श्री चितला रामचंद्र रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

ऋष्यशृंग भवन में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम, 19 को कन्या पूजन एवं महाप्रसादी

हैदराबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिखवाल समाज के वशिष्ठ गोत्र की कुलदेवी श्री ब्रह्माणी माता का भव्य जागरण रविवार, 18 अक्टूबर को शाम 7:01 बजे से ऋष्यशृंग भवन में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर सुरु संप्रदाय एवं भजनों के बादशाह महावीर उपाध्याय दिलवाले के मुखारविंद से माता के भजनों का भक्तजन रसपान करेंगे। इस संबंध में श्री कुलदेवी ब्रह्माणी माता परिवार की बैठक



ऋष्यशृंग भवन में परिवार के अध्यक्ष श्रीरंगलाल ओझा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। निर्धारित

कार्यक्रम के अनुसार रविवार, 18 अक्टूबर को शाम 7 बजे से माताजी के भजनों का आयोजन होगा। सोमवार, 19 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से महिला भजन, शाम 5:30 बजे कन्या पूजन

तथा भव्य प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। श्री ब्रह्माणी माता परिवार की ओर से सभी स्वजातीय बंधुओं एवं माता के

भक्तों से परिवार सहित पधारकर दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम को भव्य बनाने की अपील की गई।

बैठक में श्रीरंग ओझा, कन्हैयालाल ओझा, पवन उपाध्याय, जगदीश प्रसाद उपाध्याय (गौभक्त), कन्हैयालाल उपाध्याय, महेश उपाध्याय, जुगलकिशोर खरतावत, हरिकिशन ओझा, कालूराम उपाध्याय, रामनिवास ओझा, गजानंद ओझा, राजेश उपाध्याय तथा चंपालाल ओझा सहित बड़ी संख्या में परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

पवन उपाध्याय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

कडथल में 170 ग्राम क्रिस्टल मेथामफेटामाइन जब्त, केरल के दो संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार



फ्यूचर सिटी, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेट की महेश्वरम जोन स्पेशल ऑपरेशंस टीम (एसओटी) ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कडथल मंडल के कडथल एक्स रोड्स पर केरल निवासी दो संदिग्ध अंतरराज्यीय ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बाबंदल उम्मर अब्दुल अजीज (34), निवासी कोझिकोड तथा हमसथ शानस (32), निवासी कासरगोड, केरल के रूप में हुई है। दोनों कपड़े का व्यवसाय करते हैं और इन पर अवैध लाभ के लिए क्रिस्टल मेथामफेटामाइन की खरीद-बिक्री में शामिल होने का संदेह है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 170 ग्राम संदिग्ध क्रिस्टल मेथामफेटामाइन, दो स्मार्टफोन और एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार (नंबर केएल14 ईई 0077) जब्त की। इस कार्रवाई में महेश्वरम के डीसीपी के. नारायण रेड्डी, आईपीएस, तथा अतिरिक्त डीसीपी (एसए-टी) शेख जहांगीर भी शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, सिद्दीकी (केरल) और रिकू ठाकुर (हिमाचलनगर) के नाम भी संदिग्ध स्रोतों के रूप में सामने आए हैं, जो पूछताछ के लिए उपलब्ध नहीं थे। गिरफ्तार आरोपियों और जब्त सामग्री को आगे की जांच एवं कानूनी कार्रवाई के लिए कडथल पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

फ्यूचर सिटी पुलिस ने मोईनाबाद में गांजा बेचने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया

अजीज नगर में 430 ग्राम गांजा, दो मोबाइल, स्कूटी और इलेक्ट्रॉनिक तराजू जब्त



फ्यूचर सिटी / मोईनाबाद, 14 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

फ्यूचर सिटी पुलिस ने बुधवार को रंगारड्डी जिले के मोईनाबाद मंडल के अजीज नगर गांव में शमशान घाट के पास गांजा बेचने के प्रयास में एक व्यक्ति को

गिरफ्तार किया। पुलिस ने 430 ग्राम सूखा गांजा, दो मोबाइल फोन, एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू और एक स्कूटी जब्त की।

गांजा की अवैध बिक्री की विश्वसनीय सूचना पर मोईनाबाद पुलिस ने पंच गवाहों और क्लृज टीम की सहायता से विशेष

अभियान चलाया। करीब दोपहर 12:10 बजे पुलिस ने शमशान घाट के पास एक संदिग्ध व्यक्ति को देखा, जो पुलिस टीम को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था। उसे तुरंत पकड़ लिया गया।

आरोपी अंथांगरी अरुण कुमार के रूप में पहचाना गया। पूछताछ में उसने बताया कि वह बीदर क्षेत्र के हुसैन नामक व्यक्ति से गांजा खरीदकर मोईनाबाद और आसपास के इलाकों में अपने दोस्तों व अन्य ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेच रहा था।

पुलिस ने 430 ग्राम सूखा गांजा, गांजा सेवन से जुड़े पैकेट, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, दो मोबाइल फोन और टीएस12बी8065 नंबर की स्कूटी जब्त की। जब सामग्री को पंच गवाहों की मौजूदगी में पैक और लेबल कर हिरासत में लिया गया।

मोईनाबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।